www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
14 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 103 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चुनाव से पहले योगी सरकार का 'खेला'

प्रदेश की महिलाओं को 50-50 हजार रुपए देने की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटबैंक को साधने के लिए बड़ी योजना लागू कर सकती है। इसके तहत 50 लाख से ज्यादा महिलाओं को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। चुनाव से पहले 20 हजार रुपए की पहली किस्त दी जाएगी। चुनाव के

बाद भाजपा की सरकार बनने पर 10-10 हजार रुपए की 3 किस्तें दी जाएंगी। सरकार में योजना को लेकर मंथन शुरू हो गया है। चुनाव अगले साल जनवरी-फरवरी में हो सकते हैं। दरअसल, पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भाजपा की नजर अब यूपी पर है। बिहार में चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे गए थे। उसी तर्ज पर यूपी में भी योजना शुरू की जाएगी।

चुनाव से पहले महिलाओं को साधेगी सरकार- योगी सरकार जेन-जी आंदोलन के बीच वोटबैंक को साधने के लिए महिला सहायता, स्वरोजगार और आर्थिक स्वावलंबन के लिए योजना लाने की तैयारी में है। महिला कल्याण विभाग के जरिए योजना प्रस्तावित की जाएगी।

छात्र प्रदर्शन मामले में 600 पर एफआईआर

पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने और झड़प मामले में बढ़ी सख्ती

रांची (एजेंसी)। जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के अगले चरण को लेकर रांची जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वहीं पिछले दिनों हंगामे के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रांची में पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने और झड़प के मामले में करीब 600 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें करीब 100

लोग नामजद हैं। वहीं, लगभग 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है।बताया जा रहा है कि नामजद लोगों में ज्यादातर बीजेपी के युवा कार्यकर्ता हैं। एफआईआर के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस नामजद आरोपियों की तलाश कर रही है। साथ ही प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की जांच भी की जा रही है। उधर,आंदोलनकारी छात्रों ने 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की तैयारी की है। हालांकि आंदोलित छात्रों ने औपचारिक तौर पर इसका ऐलान नहीं किया है, लेकिन खुफिया इनपुट के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ी है।

दिल्ली का लाल किला ब्लास्ट

अलकायदा ने कराया

● यूएन की रिपोर्ट में दावा, हाथ होने का हुआ बड़ा खुलासा ● एनआईए की जांच में भी यही निकला था

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले के पास हुए धमाके में अलकायदा से जुड़े संगठन का हाथ था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 38वीं रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 10 नवंबर 2025 की शाम लाल किले के पास हुए इस धमाके में 11 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट ने इस धमाके को अंजाम दिया। इसमें कहा गया है कि अलकायदा अब छोटे-छोटे सेल के जरिए काम कर रहा है और उसने अपना लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल नेटवर्क भी तैयार कर लिया है। इससे पहले आई यूएन की 37वीं रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने इस हमले के पीछे जैश-ए-मोहम्मद का हाथ बताया था। यानी इस हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की लगातार दो रिपोर्टों में दो अलग-अलग आतंकी संगठनों के नाम सामने आए हैं। एनआईए की चार्जशीट में भी यही दावा था।

बांग्लादेश में आतंकी सेल बनाने की कोशिश

एनआईए की एनालिटिकल सपोर्ट एंड सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम की यह रिपोर्ट 10 अगस्त को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि अलकायदा अब बिखरे हुए छोटे आतंकी संगठन की बजाय एक क्षेत्रीय आतंकी नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है। संगठन ने अपना लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल नेटवर्क तैयार कर लिया है और अब बड़े समूहों के बजाय छोटे-छोटे, अलग-अलग सेल के जरिए काम कर रहा है।

चमोली में बड़ा हादसा, निर्माणाधीन टनल में हुआ भूस्खलन

कई मजदूर अंदर फंसे, 13 को निकाला

उत्तराखंड के चमोली जिले में देर शाम बड़ा हादसा हो गया। विष्णुगाडझ़पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की निर्माणाधीन टनल में अचानक भूस्खलन हो गया। इस दौरान 18 से ज्यादा मजदूर सुरंग में ही फंस गए और घायल हो गए। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि टनल में 13 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। मौके पर प्रशासन की टीमें रेस्क्यू अभियान में जुटी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को तत्काल घटनास्थल पर भेज दिया गया है। जिला प्रशासन सहित सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को समन्वय के साथ त्वरित राहत एवं बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। कहा कि वे स्वयं वरिष्ठ अधिकारियों से निरंतर संपर्क में हैं तथा स्थिति की पल–पल की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता टनल में फंसे प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालना है और इस दिशा में सभी आवश्यक संसाधन लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा प्रभावित लोगों और उनके परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

बांग्लादेश की छाती के पास से दौड़ेगी भारतीय रेल

चिकन नेक कॉरिडोर से चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से होकर चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी दे दी है। चिकन नेक या सिलीगुड़ी कॉरिडोर पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी रास्ता है। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के जनरल मैनेजर चेतन कुमार श्रीवास्तव ने बिहार के कटिहार में इस बात की अहमियत दी कि मालदा-न्यू

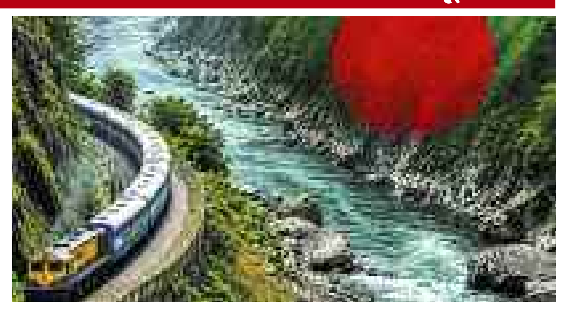

जलपाईगुड़ी सेक्शन पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी भाग से जोड़ने वाला इकलौता और महत्वपूर्ण हिस्सा है। बुधवार रात को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीएम ने कहा, इस सेक्शन (चिकन नेक कॉरिडोर) के लिए पहले तीसरी लाइन के लिए प्रस्ताव था, लेकिन अब चौथी लाइन भी मंजूर हुई है।

कटिहार डिवीजन के लिए रेलवे की कई घोषणाएं

कटिहार डिविजन के बारे में उनका कहना है कि 42 नई ट्रेनें शुरू की गई हैं और यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 250 नए स्टॉपेज बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के जो विकास का काम चल रहा है, वह 2027 के अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। उनके अनुसार, जोगबनी, राधिकापुर और बालुरघाट से नई लोकल ट्रेन सेवाएं जल्द शुरू करने की कोशिशें भी जारी हैं। इससे सीमावर्ती और दूर-दराज इलाकों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

चिकन नेक कॉरिडोर में रेलवे कई प्रोजेक्ट पर काम

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की रणनीतिक अहमियत को देखते हुए रेलवे ने हाल के समय में यहां अपनी क्षमता में विस्तार के लिए लगातार ने कदम उठा रहा है। चेतन कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद इलाके में रेलवे नेटवर्क का कायाकल्प हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बारसोई सेक्शन में भी दोहरीकरण काम तेजी से चल रहा है। चिकन नेक कॉरिडोर या सिलीगुड़ी कॉरिडोरकरीब 20 से 22 किलो मीटर चौड़ी भूमि है, जो उत्तर बंगाल में करीब 60 किलो मीटर लंबा है और पूर्वोत्तर भारत को बाकी देश से जोड़ता है। यह कॉरिडोर देश की सुरक्षा के लिहाज से बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो बांग्लादेश से सटा हुआ इलाका है। हाल के दिनों में तनाव बढ़ा है।

आखिरी दिन लोकसभा एक मिनट, राज्यसभा 1 घंटे चली

संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए हुआ स्थगित

मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे, विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन एमएमडीआर संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है।

टाटा संस में चंद्रशेखरन की जगह ले सकते हैं नरेंद्रन

● चेयरमैन की रेस में टाटा स्टील के एमडी सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के अचानक इस्तीफे के बाद नए उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने आज 13 अगस्त को एक प्रस्ताव पास कर 5 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पद की रेस में टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे है।

आय से अधिक संपत्ति के आरोप की सीबीआई-ईडी जांच के निर्देश का है मामला

हाईकोर्ट के आदेश को राहुल गांधी ने दी 'सुप्रीम' चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए गए निर्देशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी ने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की मांग करते हुए अलग से ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ इन पर 17 अगस्त को सुनवाई करेगी।

सीबीआई की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट ने जताई थी नाराजगी

हाईकोर्ट ने दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों को मामले की प्रगति से अदालत को अवगत कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद 20 जुलाई को हुई सुनवाई में अदालत ने सीबीआई के हलफनामे पर असंतोष जताया और कहा कि यह उसके पहले दिए गए निर्देशों के अनुरूप नहीं है। दूसरी ओर, अदालत ने कहा कि ईडी ने आवश्यक कदम उठाए हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जांच के दौरान यदि ईडी को कोई सूचना प्राप्त होती है तो वह कार्रवाई करती है।

सुप्रीम कोर्ट से मामले को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग

राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशों को चुनौती देने के साथ-साथ अलग ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है। इसमें उन्होंने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। अब सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यह होगा कि शिकायत के आधार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों को आरोपों के सत्यापन के लिए दिए गए हाईकोर्ट के निर्देशों की कानूनी वैधता क्या है देखा जाएगा।

काशी में घाट डूबे, अंतिम संस्कार के लिए घंटों इंतजार

● उत्तराखंड में हादसा, देहरादून और टिहरी में लैंडस्लाइड ● 15 राज्यों में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने से बुधवार को 20 राज्यों में अच्छी बारिश हुई। अगले 4 दिनों तक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के बनारस में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। लोगों को 2 से 3 घंटे तक शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्नाव मे सड़क पर नाव चलानी पड़ी। राजस्थान के 5 से ज्यादा जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। जयपुर में 4 घंटे से ज्यादा पानी बरसा। पानी से भरे गड्ढे के कारण बस पलट गई। बारिश और

पेड़ गिरने से शहर के ज्यादातर हिस्सों में ट्रैफिक जाम रहा। उधर, उत्तराखंड के देहरादून-मसूरी मार्ग पर लैंडस्लाइड के चलते मलबा सड़क पर आ गिरा। इससे दोनों ओर करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया। राज्य के 9 जिलों में 67 सड़कें बंद हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों में लगातार चार दिनों से तेज बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बारिश से 204 सड़कें बंद हैं।

बाढ़ प्रभावित असम के लिए बंगाल से 10 करोड़ की मदद

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित असम के लिए 10 करोड़ रुपए की मदद का ऐलान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जाएगी। असम में बाढ़ से अब तक 103 लोगों की मौत हो चुकी है और राहत-बचाव जारी है। असम सरकार राहत और पुनर्वास पर करीब 1,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। नुकसान का आंकलन मोबाइल ऐप से किया जा रहा है। अब तक 8,325 परिवारों का सर्वे हो चुका है और इसे 15 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है।

एमपी के शिवपुरी-श्योपुर में तेज बारिश

मध्य प्रदेश के पश्चिमी हिस्से को तरबतर करने के बाद अब मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम पूर्वी हिस्से में ऐक्टिव होगा। शुक्रवार से जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में 3 दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इससे पहले गुरुवार को शिवपुरी-श्योपुर में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 24 घंटे में इन दोनों जिलों में 4 इंच या इससे ज्यादा पानी गिर सकता है।

मौसम चेतावनी के मद्देनजर सभी जनपद अलर्ट मोड पर

14 से 17 अगस्त तक भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : आने वाले दिनों में प्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून द्वारा 13 अगस्त 2026 को जारी मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनी के दृष्टिगत राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) द्वारा सभी जनपदों को पत्र जारी कर आवश्यक सावधानियां एवं तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से भारी से बहुत भारी वर्षा, आकाशीय बिजली तथा वर्षा के तीव्र से अत्यंत तीव्र दौर की संभावना वाले क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने सभी जिलाधिकारियों एवं संबंधित विभागों को मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ स्थिति पर लगातार निगरानी बनाएं रखने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 14 अगस्त को देहरादून, पिथौरागढ़, बागेश्वर एवं नैनीताल जनपदों में ऑरेंज अलर्ट रहेगा। इन जनपदों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा तथा गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने एवं वर्षा के अति तीव्र से अत्यंत तीव्र दौर की संभावना है। वहीं चम्पावत, टिहरी, पौड़ी, चमोली, रुद्रप्रयाग, हरिद्वार एवं ऊधमसिंह नगर में कहीं-कहीं भारी वर्षा की संभावना तथा राज्य के शेष जनपदों में गरज-चमक के साथ वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना के दृष्टिगत येलो अलर्ट रहेगा। 15 अगस्त को राज्य के सभी जनपदों में येलो अलर्ट रहेगा। इस दिन देहरादून, टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, नैनीताल, चम्पावत एवं बागेश्वर में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। पर्वतीय जनपदों में गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने तथा वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से किया संवाद

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं से संवाद किया। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने पलायन रोकने, युवाओं को रोजगार से जोड़ने, उत्तराखंड को उच्च शिक्षा का हब बनाने, विज्ञान, तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में रोजगार की नई संभावनाओं तथा देहरादून में यातायात जाम की समस्या के समाधान को लेकर मुख्यमंत्री से सवाल पूछे। देहरादून में यातायात जाम की समस्या के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इसके स्थायी समाधान की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। बिंदाल और रिस्पना नदी के ऊपर एलिवेटेड रोड के निर्माण की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से देहरादून शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और जाम की समस्या के समाधान में मदद मिलेगी। पलायन रोकने और युवाओं को रोजगार से जोड़ने से संबंधित सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब रिवर्स माइग्रेशन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं सौर स्वरोजगार योजना सहित पर्यटन, उद्योग और फिल्म नीति के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और उनके माध्यम से स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों के आधुनिकीकरण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। देहरादून में देश की पांचवीं साइंस सिटी का निर्माण किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नए अवसर उपलब्ध होंगे तथा युवाओं को आधुनिक वैज्ञानिक संसाधनों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

उत्तराखण्ड में लखपति दीदी का आंकड़ा तीन लाख पार

महिला सशक्तिकरण की दिशा में देवभूमि ने रचा नया इतिहास

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में नया इतिहास रचा है। सरकार के भगीरथ प्रयासों से प्रदेश में लखपति दीदियों की संख्या 03 लाख 03 हजार के आंकड़े को पार कर चुकी है। अब वित्तीय वर्ष 2026-27 में एक लाख 12 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य को निर्धारित अवधि से पहले ही हासिल करने के लिए जिम्मेदार विभाग जुट गए हैं। धामी सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत नारी सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं। इसी के तहत नवंबर 2022 से लखपति दीदी योजना शुरू की गई है। धामी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत इरादों से यह योजना साल दर साल नया रिकॉर्ड कायम कर रही है। जो भी सालाना लक्ष्य रखा गया, निर्धारित अवधि से पहले ही हासिल कर लिया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 तक 03 लाख 03 हजार 696 महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इन महिलाओं ने अपनी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक पहुंचाकर आत्मनिर्भरता की शानदार मिसाल पेश की है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं प्रदेश सरकार की अनुदानित एवं ऋण योजनाओं के माध्यम से विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से अपनी आर्थिकी को मजबूती दे रही हैं। खास तौर पर जैविक खेती, फूड प्रोसेसिंग, मसाला निर्माण, हस्तशिल्प, डेरी-पशुपालन, मौन पालन, मशरूम उत्पादन, होमस्टे संचालन जैसे व्यवसायों को महिलाओं ने अपनाया है। मिलेट से तैयार बेकरी उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए महिलाएं यह उत्पाद भी तैयार कर रही हैं।

बाजारों तक आसान बनाई पहुंच

स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रोसेसिंग, बिक्री और बाजारों तक आसान पहुंच के लिए प्रदेश सरकार ने विशेष व्यवस्था बनाई है। इसके लिए 24 ग्रोथ सेंटर, 33 नैनो पैकेजिंग यूनिट और 17 सरस सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। बड़े बाजारों से जोड़ने के लिए जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर सरस मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

स्थानीय उत्पादों को मिली विशेष पहचान

धामी सरकार की पहल पर हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड ने महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी है। स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता में सुधार होने से महानगरों और प्रमुख शहरों में इन उत्पादों की मांग बढ़ी है।

एक नजर

देवग्राम के 27 परिवारों के विस्थापन का प्रस्ताव शासन को भेजने की संस्तुति

गोपेश्वर। जिला स्तरीय पुनर्वास समिति ने देवग्राम के 27 परिवारों के विस्थापन संबंधी प्रस्ताव को संस्तुति के लिए शासन को भेजने पर सहमति व्यक्त की। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विस्थापन संबंधी प्रस्ताव की सभी अभिलेख व औपचारिकताएं पूरी करते हुए शीघ्र प्रस्ताव शासन को भेजा जाए। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति की बैठक हुई। इसमें तहसील ज्योतिर्मठ के अंतर्गत देवग्राम के 27 परिवारों के विस्थापन संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा हुई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि इन 27 परिवारों के विस्थापन के लिए एक करोड़ 21 लाख 25 हजार रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें विस्थापित होने वाले परिवारों के लिए भवन निर्माण, गोशाला, विस्थापन भत्ता, विस्थापित परिवारों को पुनर्वास स्थल पर व्यवसाय शुरू करने के लिए सहायता सहित अन्य मदों को शामिल किया गया है। आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि देवग्राम का दो बार भू–वैज्ञानिक सर्वे कर चुके हैं। तहसील स्तर पर कार्ययोजना व विस्थापन संबंधी अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। डीएम ने कहा कि प्रभावित परिवारों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित पुनर्वास के लिए सभी जरूरी कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाएं। इस दौरान एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कंचन गंगा नाले के पास 400 मीटर हाईवे बदहाल

गोपेश्वर। बदरीनाथ हाईवे पर कंचन गंगा नाले के पास करीब 400 मीटर सड़क बदहाल बनी हुई है। जगह–जगह बड़े गड्ढे होने से सड़क तालाब में तब्दील हो गई है। बीते दिनों हुई भारी बारिश के कारण कंचन गंगा नाले में मलबा भरने से हाईवे की स्थिति और खराब हो गई है। इससे बदरीनाथ धाम की यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बदरीनाथ धाम से करीब दो किलोमीटर पहले कंचन गंगा नाले में हाईवे को सुचारु रखने के लिए बीआरओ की ओर से करीब दो वर्ष पूर्व मोटर पुल का निर्माण शुरू किया जाना था। पुल निर्माण की सामग्री भी मौके पर पहुंचा दी गई थी लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले में बारिश के दौरान मलबा आने से सड़क बार–बार बंद होती है। माणा गांव के ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह ने कहा कि कंचन गंगा नाले में हाईवे की आवाजाही सुचारु रखने के लिए पुल निर्माण बेहद जरूरी है। उन्होंने बीआरओ से जल्द पुल निर्माण शुरू करने की मांग की है।

रिश्वत के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित

गोपेश्वर। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी गौरव कुमार ने राजस्व विभाग के रिकॉर्ड रूम से पुरानी खतौनी की नकल देने के एवज में रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच के निर्देश दिए हैं। पगना निवासी ताजवर सिंह ने दो कार्मिकों पर 500 रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की थी। डीएम ने अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है। समिति में कोषाधिकारी और जिला समाज कल्याण अधिकारी सदस्य होंगे। समिति को सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों की गहन जांच कर एक सप्ताह में तथ्यपरक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने कहा कि भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

नंदा देवी लोकजात की तिथि पर विवाद

देवाल। मां नंदा देवी राजराजेश्वरी की लोकजात 2026 के कार्यक्रम की तिथि घोषित करने पर विवाद खड़ा हो गया है। अब नंदा देवी बड़ीजात आयोजन समिति कुरुड़ ने थराली की केंद्रीय समिति को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में लोकजात कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार को तुरंत वापस लेने की मांग की गई।

23 जनवरी 2026 को वसंत पंचमी के दिन नंदा देवी बड़ीजात समिति कुरुड़ ने पांच सितंबर से 30 सितंबर तक बड़ीजात का कार्यक्रम जारी किया था। इसी बीच मां नंदा देवी राजराजेश्वरी केंद्रीय समिति थराली के अध्यक्ष सुशील रावत और सचिव पृथ्वी सिंह ने भी पांच सितंबर से लोकजात का कार्यक्रम घोषित कर दिया। हाईकोर्ट के एडवोकेट अभिलाष नैनवाल के माध्यम से अब थराली की समिति को नोटिस जारी किया गया है।

2.20 करोड़ लेने के बाद जमीन की रजिस्ट्री से मुकरने का आरोप

देहरादून। पटेलनगर थाना क्षेत्र के मेहूंवाला माफी गांव में जमीन की खरीद–फरोख्त को लेकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इंफिनिटी वेलनेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि समेत पांच लोगों ने सहखातेदार कमरुद्दीन उर्फ नसरुद्दीन और उसके पुत्र जमील अहमद पर जमीन का सौदा करने के बाद बड़ी रकम लेने, रजिस्ट्री से मुकरने और पूर्व में निष्पादित मुख्तारनामे (जीपीए) को कथित तौर पर निरस्त कराने का आरोप लगाया है।

शिकायतकर्ताओं के मुताबिक, जमीन की कुल सौदा राशि 2 करोड़ 20 लाख 7 हजार रुपये तय हुई थी, जिसमें से 2 करोड़ 12 लाख 36 हजार रुपये विभिन्न माध्यमों से आरोपी को दिए जा चुके थे। शेष 7 लाख 71 हजार रुपये का भुगतान रजिस्ट्री के समय किया जाना था। मामला सामने आने के बाद पटेलनगर पुलिस ने तहरीर में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है।

0.1813 हेक्टेयर जमीन का था सौदा

पटेलनगर थाने में दी गई तहरीर के अनुसार, सलीम अहमद, आबिद अली, नसीम अहमद, वसीम अहमद और इंफिनिटी वेलनेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि ऋषभ जैन ने वर्ष 2023 में मेहूंवाला माफी गांव स्थित 0.1813 हेक्टेयर भूमि का सौदा कमरुद्दीन उर्फ नसरुद्दीन के साथ तय किया था।

शिकायत में बताया गया है कि जमीन की कुल कीमत 2,20,07,000 निर्धारित हुई थी। सौदे के तहत भुगतान अलग–अलग माध्यमों से किया गया।

चेक, आरटीजीएस, नकद और प्लॉट से भुगतान

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि उन्होंने आरोपी को चेक, आरटीजीएस और नकद के अलावा 236 वर्ग गज का एक प्लॉट देकर कुल 2,12,36,000 का भुगतान किया।

शेष 7,71,000 बैनामा यानी जमीन की अंतिम रजिस्ट्री के समय दिया जाना तय था। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, भुगतान के बाद रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे बढ़नी थी।

24 सितंबर 2024 को बने थे दो जीपीए

तहरीर के मुताबिक, सौदे के दौरान कमरुद्दीन ने 24 सितंबर 2024 को सब–रजिस्ट्रार कार्यालय में शिकायतकर्ताओं और अतुल नामक व्यक्ति के पक्ष में दो अलग–अलग मुख्तारनामे (जीपीए) निष्पादित किए थे। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इन दस्तावेजों के बाद उन्हें जमीन की रजिस्ट्री पूरी होने की उम्मीद थी, लेकिन बाद में विवाद खड़ा हो गया।

16 नवंबर को जीपीए निरस्त कराने का आरोप

शिकायतकर्ताओं के अनुसार, जब अंतिम रजिस्ट्री का समय आया तो आरोपी पक्ष कथित तौर पर अपने वादे से पीछे हट गया। आरोप है कि 16 नवंबर 2024 को दोनों जीपीए बिना पूर्व सूचना के निरस्त करा दिए गए।

शिकायतकर्ताओं को इसकी जानकारी कथित तौर पर बाद में व्हाट्सऐप नोटिस के माध्यम से हुई। इसके बाद उन्होंने आरोपी से संपर्क कर रकम वापस करने अथवा जमीन की रजिस्ट्री करने की मांग की, लेकिन आरोप है कि दोनों मांगों से इनकार कर दिया गया।

पुलिस में जाने पर धमकी का आरोप

तहरीर में शिकायतकर्ताओं ने कमरुद्दीन और उसके पुत्र जमील अहमद पर कथित रूप से धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि रकम वापस मांगने और पुलिस में शिकायत करने की बात कहने पर उन्हें जान से मारने तथा भाड़े के लोगों से उठवा लेने की धमकी दी गई।

शिकायतकर्ताओं ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दस्तावेज और भुगतान रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस

पटेलनगर पुलिस मामले से जुड़े जमीन के दस्तावेज, जीपीए, भुगतान के रिकॉर्ड, बैंक लेन–देन और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि जमीन के सौदे की वास्तविक स्थिति क्या थी और शिकायत में लगाए गए आरोप कितने सही हैं।

फिलहाल मामले में पुलिस जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की वास्तविकता और आगे की कानूनी कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होगी।

जॉलीग्रांट में गोवंश तस्करी की सूचना पर बजरंग दल ने पकड़ा संदिग्ध वाहन

डोईवाला। जॉलीग्रांट क्षेत्र में गोवंश तस्करी की सूचना पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने एक संदिग्ध वाहन को पकड़कर उसमें सवार लोगों को पुलिस के हवाले कर दिया। वाहन की तलाशी के दौरान उसमें गोवंश मिलने का दावा किया गया है। इसके बाद सभी को जॉलीग्रांट पुलिस चौकी ले जाया गया, जहां पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से जॉलीग्रांट और आसपास के क्षेत्रों में वाहनों के जरिए गोवंश को कथित तौर पर वध के लिए ले जाने की शिकायतें सामने आ रही थीं। इसी सूचना के आधार पर कार्यकर्ताओं ने संदिग्ध

वाहन पर नजर रखी और उसे रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान वाहन में गोवंश मिलने के बाद कार्यकर्ताओं ने वाहन सवार लोगों को पकड़ लिया और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन सवार लोगों को अपने कब्जे में लेकर चौकी ले गई।

पुलिस ने वाहन और उसमें मिले गोवंश को लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही वाहन सवार लोगों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गोवंश को कहां से लाया गया था और उसे कहां ले जाया जा रहा था।

फिलहाल मामले में पुलिस की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ट्रक पलटा, 19 वर्षीय मजदूर की दबकर मौत

देहरादून। क्लेमेंटाउन थाना क्षेत्र में आरटीओ चेकपोस्ट से करीब 150 मीटर पहले गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सहारनपुर की ओर से आ रहा एक कंटेनर ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इसी दौरान सड़क की सफाई का कार्य कर रहा 19 वर्षीय मजदूर ट्रक की चपेट में आ गया और उसके नीचे दबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सड़क सफाई के दौरान हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब घटना की सूचना कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना क्लेमेंटाउन को मिली कि आरटीओ चेकपोस्ट से लगभग 150 मीटर पहले एक कंटेनर ट्रक पलट गया है और उसके नीचे एक व्यक्ति दबा हुआ है। सूचना मिलते ही चौकी आशारोड़ी से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। मौके पर कंटेनर ट्रक सड़क किनारे पलटा हुआ मिला। ट्रक के नीचे एक व्यक्ति दबा था। बताया गया कि हादसे के समय मजदूर सड़क की सफाई के कार्य में जुटा हुआ था।

दो हाइड्रा क्रेन की मदद से सीधा कराया ट्रक

घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर एनएचएआई के कार्य में लगी दो हाइड्रा क्रेनों को बुलाया गया। क्रेनों की मदद से पलटे हुए कंटेनर ट्रक को सीधा कराया गया।

दून में गूंजेगा राष्ट्रप्रेम का स्वर

देहरादून, भारत विभाजन की पीड़ा, विस्थापन, संघर्ष और उससे जुड़ी ऐतिहासिक स्मृतियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर देहरादून में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान लाखों लोगों द्वारा झेली गई त्रासदी और विस्थापन की पीड़ा को स्मरण किया जाएगा तथा राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया जाएगा।

तीन दिन तक चलेगी विशेष फोटो एवं फिल्म प्रदर्शनी

14 अगस्त को दून लाइब्रेरी एवं शोध केंद्र में विभाजन विभीषिका और उससे जुड़ी ऐतिहासिक स्मृतियों पर आधारित तीन दिवसीय विशेष फोटो एवं फिल्म प्रदर्शनी का शुभारंभ किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 14, 15 और 16 अगस्त को प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी।

प्रदर्शनी में वर्ष 1947 में भारत विभाजन के दौरान हुए विस्थापन, संघर्ष और मानवीय पीड़ा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को तस्वीरों और फिल्मों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। इसका उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं को उस दौर की परिस्थितियों से परिचित कराना और विभाजन की त्रासदी से जुड़ी स्मृतियों को जीवंत रखना है।

प्रदर्शनी के माध्यम से उन लाखों लोगों की पीड़ा और संघर्ष को सामने लाने का प्रयास किया जाएगा, जिन्होंने विभाजन के दौरान अपना घर, जमीन, संपत्ति और कई मामलों में अपने परिजनों तक को खो दिया था।

राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौते के आधार पर लंबित मामलों के निस्तारण पर जोर

नैनीताल/देहरादून, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के विजन के अनुरूप न्यायालयों में लंबित मुकदमों का बोझ कम करने और वादकारियों को सुलभ, त्वरित एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में उत्तराखंड उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ने महत्वपूर्ण पहल की है। इसी क्रम में उच्च न्यायालय परिसर, नैनीताल में राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष रूप से मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण से संबंधित उच्च न्यायालय में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य ऐसे मामलों को आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से जल्द निस्तारित कर पीड़ित वादकारियों को समय पर मुआवजा दिलाना रहा।

न्यायमूर्तियों की अध्यक्षता में हुई बैठक

बैठक की अध्यक्षता माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार तिवारी एवं माननीय न्यायमूर्ति श्री राकेश थपलियाल ने की। बैठक में विभिन्न बीमा कंपनियों के राज्य प्रमुखों एवं वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान लंबित एमएसीटी मामलों की स्थिति पर चर्चा करते हुए ऐसे मामलों की पहचान करने और उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से समझौते के आधार पर निस्तारित करने की कार्ययोजना पर विचार–विमर्श किया गया। न्यायमूर्तियों ने कहा कि समयबद्ध समाधान से दुर्घटना पीड़ितों और उनके परिवारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सकती है।

केवल एमएसीटी नहीं, अन्य समझौता योग्य मामलों पर भी फोकस

उत्तराखंड उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति की सचिव नेहा कुशवाहा ने प्रदेश के वादकारियों से अपील की कि वे उच्च न्यायालय में लंबित अपने एमएसीटी मामलों के साथ–साथ ऐसे अन्य मामलों की भी पहचान करें, जिनका कानून के तहत राजीनामा या आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण संभव है।

रुड़की में किशोर पर फायरिंग, बहन से छेड़छाड़ का विरोध पड़ा भारी

हरिद्वार। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के मोहनपुरा में बुधवार शाम एक किशोर पर फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। गोली लगने से 17 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली उसके कूल्हे में लगी। परिजन उसे उपचार के लिए रुड़की सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर मोहनपुरा निवासी 17 वर्षीय प्रियांशु बुधवार रात खाना खाने के बाद मोहनपुरा गेट के आसपास टहल रहा था। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और उसे घेर लिया। आरोप है कि युवकों में से एक ने तमंचा निकालकर किशोर पर तान दिया। खतरा भांपकर किशोर ने वहां से भागने का प्रयास किया। इसी दौरान

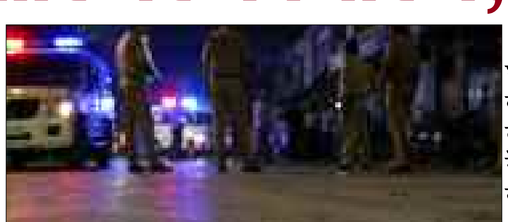

आरोपियों ने उस पर गोली चला दी। गोली किशोर के कूल्हे में जा लगी और वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। फायरिंग के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए बाइक से मौके से फरार हो गए।

बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने की बात

परिजनों का आरोप है कि घटना से पहले किशोर की बहन के साथ कुछ युवकों ने कथित तौर पर छेड़छाड़ की थी। किशोर ने इसका विरोध किया था। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और बाद में उस पर फायरिंग किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस जांच में सोशल मीडिया पर की गई किसी टिप्पणी को लेकर विवाद की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि पोस्ट अथवा टिप्पणी के बाद किशोर को कथित तौर पर धमकियां भी मिली थीं। ऐसे में फायरिंग की वास्तविक वजह क्या थी और घटना में कौन–कौन लोग शामिल थे, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर

गोली लगने के बाद परिजन घायल किशोर को तत्काल रुड़की सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। गोली लगने के कारण उसकी हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसका उपचार चल रहा है।

सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप बिष्ट के अनुसार, पुलिस को फायरिंग की सूचना मिली थी। मामले की जांच की जा रही है। अभी तक पुलिस को घटना के संबंध में लिखित तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दस दिन पहले भी इसी इलाके में हुई थी फायरिंग

मोहनपुरा क्षेत्र में फायरिंग की यह घटना इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है क्योंकि करीब दस दिन पहले भी इसी इलाके में गोली चलने की घटना सामने आई थी। उस मामले में एक पिज्जा कारोबारी को गोली मारने का प्रयास किए जाने का आरोप लगा था। मामले में चार नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक, उस प्रकरण में अभी एक आरोपी की गिरफ्तारी हुई है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

लगातार सामने आ रही फायरिंग की घटनाओं से मोहनपुरा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है।

वन्यजीवों के बढ़ते आतंक के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

लैंसडौन, यमकेश्वर समेत विभिन्न क्षेत्रों में गुलदार-भालू के हमलों पर जताया आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन, यमकेश्वर समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को आक्रोश जताते हुए लैंसडौन वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वन्यजीवों से ग्रामीणों को सुरक्षा दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

जिलाध्यक्ष विकास नेगी एवं महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता वन प्रभाग कार्यालय परिसर में एकत्र हुए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि कोटद्वार, लैंसडौन, यमकेश्वर, रिखणीखाल, नैनीडांडा और पोखड़ा समेत कई क्षेत्रों में गुलदार और भालू की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। गुलदार के हमलों और आबादी वाले क्षेत्रों में वन्यजीवों की आवाजाही से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। जिलाध्यक्ष विकास नेगी ने कहा कि कोटद्वार के सनेह क्षेत्र में गुलदार की लगातार सक्रियता के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व में भी गुलदार और भालू के हमलों में कई लोग घायल हो चुके हैं। वन्यजीवों द्वारा किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाए जाने से ग्रामीणों की आजीविका भी प्रभावित हो रही है। वहीं हाथियों के आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचने से खेतों, बाग-बगीचों और अन्य कृषि संसाधनों को नुकसान हो रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आबादी क्षेत्रों में वन्यजीवों की आवाजाही रोकने के लिए दीर्घकालिक और प्रभावी कार्य योजना तैयार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आबादी के आसपास उगी लैंटाना जैसी झाड़ियों का व्यापक स्तर पर उन्मूलन कराया जाए, ताकि वन्यजीवों को छिपने के लिए सुरक्षित ठिकाने न मिल सकें। इसके साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त, कैमरा ट्रैप और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। ज्ञापन में वन्यजीवों के हमलों में मृतकों के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा घायलों एवं प्रभावित परिवारों को नियमानुसार उचित मुआवजा देने की मांग की गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और वन विभाग को संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर प्रवीण रावत, डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल, शूरवीर खेतवाल, धीरेंद्र बिष्ट, रूचि कैंत्यूरा, राजीव कपूर, धर्मेंद्र रावत, नत्थू सिंह अधिकारी, अनिल गुसाईं, शिवम भूषण, प्रदीप नेगी सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वन्य जीवों के बढ़ते आतंक के विरोध में अधिकारी को ज्ञापन देते कांग्रेसी

बच्चों के स्वास्थ्य का किया परीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रखंड जयहरीखाल के अंतर्गत खैरासैंण स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में प्राथमिक चिकित्सालय सतपुली की तरफ से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में स्कूल के 50 बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण करवा कर उन्हें दवाइयां वितरित की गई। शिविर में डा. आशीष ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया, जिसमें अधिकांश बच्चों में बुखार, सिरदर्द, सर्दी व खांसी के लक्षण पाए गए। इसके अतिरिक्त सात बच्चों में एलर्जी भी पाई गई, जिनमें फंगल इंफेक्शन एवं स्केबीज के मामले सामने आए। चिकित्सकों ने नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य से भी चर्चा कर बच्चों को संक्रमण व त्वचा संबधी समस्याओं के बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता बनाएं रखने के लिए प्रेरित किया गया।

गीता भवन में हरियाली तीज महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के गोविंद नगर स्थित गीता भवन में उत्सव समिति की महिला विंग की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी हरियाली तीज महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। समिति ने इस बार भी हरियाली तीज महोत्सव को पारंपरिक रंग और उल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया।

कार्यक्रम के दौरान सावन के लोकगीतों के साथ विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इनमें हास्य नाटिका, शिव-पार्वती विवाह, नृत्य नाटिका, हरियाणवी नृत्य सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। वहीं, बाल संस्कार कक्षा के बच्चों की ओर से देशभक्ति पर आधारित नाटिका भी प्रस्तुत की जाएगी। समिति की ओर से महोत्सव में महिलाओं एवं बच्चों के लिए झूलों की विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही स्वयं निर्मित कड़े एवं कंगन की प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम की संयोजक शशि शर्मा ने कहा कि हरियाली तीज महिलाओं के लिए आस्था, उमंग और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है।

महोत्सव के माध्यम से नई पीढ़ी को भी लोक संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर अमिता गर्ग, रिचा गर्ग, सीमा गोयल, पूजा लड्डा, सुधा अग्रवाल, लक्ष्मी गर्ग, उमा अरोड़ा, संगीता अग्रवाल एवं रश्मि अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

भाषण में प्रज्जवल, स्लैम पोएट्री में मैथली ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मेरा युवा भारत, पौड़ी गढ़वाल (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा बीजीआर कैंपस, पौड़ी गढ़वाल में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान-2026 के अन्तर्गत विभिन्न जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बीजीआर कैंपस, पौड़ी के डारेक्टर यूसी गैरोला द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विषय नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान 2026 पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें भाषण प्रतियोगिता में प्रज्जवल चौहान, माधव व तपोषी, स्लैम पोएट्री प्रतियोगिता में मैथली सिंह, मुस्कान कंडवाल, अमीष नेगी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। नुकड़ नाटक प्रतियोगिता में नवॉकुर नाटक गुर्प ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। घोषवाक्य प्रतियोगिता में आंचल सैनी, आयुषी पंवार, मनीषी गौर, लोकनृत्य प्रतियोगिता में टीम बीजीआर कैंपस, टीम मंथन, टीम जीआईसी गर्ल्स ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में ऐश्वर्या, आंचल सैनी, आरूषी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। रील प्रतियोगिता में टीम सचिन एण्ड आलेख, टीम सिद्धांत रावत व प्रज्ञान पंवार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका में डॉ. अनूप पाण्डे, प्रो. रेहाना जैदी, डॉ. सपना रावत, प्रो. लहामु तेसरांग दुक्पा, डॉ. अनिल दत्त, उपाध्यक्ष मानसी डंगवाल रहे। इस मौके पर मेरा युवा भारत पौड़ी के जिला युवा अधिकारी आशीष पंत, स्वयंसेवी अमन नयाल, प्रियंका असवाल, सचिन, शीतल, साक्षी, दिक्षा, अंकित रावत, सूरज, संजना, ममता, नन्दनी, अखिलेश कुमार, रोहन, श्रेष्ठी भण्डारी, नितिन चौहान आदि उपस्थित रहे।

क्विज प्रतियोगिता में प्रिया नेगी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के तहत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रिया नेगी प्रथम रही। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज उप्रेती ने किया। तत्पश्चात क्विज प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया, जिसमें प्रिया नेगी प्रथम, सृष्टि द्वितीय व ईशा तृतीय रही।

खोह नदी में गिरा युवक, गंभीर

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : मोहल्ला गाड़ीघाट में निष्प्रयोज्य झूलापुल से गिर कर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बेस चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद उसे देहरादून रेफर किया गया है। बुधवार शाम लकड़ीपडाव निवासी गुलफाम (33 वर्ष) गाड़ीघाट में झूलापुल पर खड़ा था। इसी दौरान अचानक वह खोह नदी में जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। स्वजनों ने उसे राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद देहरादून रेफर कर दिया।

छात्र संघ चुनाव की सरगर्मियां तेज

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। चुनाव से पहले छात्र संगठन अपनी पकड़ मजबूत करने और नए छात्रों को संगठन से जोड़ने में जुट गए हैं। इसी क्रम में गुरूवार को कांग्रेस कार्यालय में एनएसयूआई की बैठक आयोजित की गई। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष सूरज नेगी की पहल पर आयोजित कार्यक्रम में दीपक बिष्ट को नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके साथ कई छात्रों ने एनएसयूआई की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश उपाध्यक्ष सूरज नेगी ने कहा कि संगठन छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगा। विवि में विद्यार्थियों को होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एनएसयूआई लगातार प्रयास करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से छात्रों के बीच सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को संगठन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस मौके पर मोहित राणा, अमित भट्ट, पंकज जोशी, आदित्य पैन्यूली और अखिल राणा आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

पंजीकृत निर्माण श्रमिक समय पर कराएं कार्ड का नवीनीकरण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत समस्त पात्र निर्माण श्रमिकों को सूचित किया गया है कि जिन श्रमिकों के श्रमिक कार्ड का नवीनीकरण लंबित अथवा देय है, वे नियमानुसार अपने श्रमिक कार्ड का नवीनीकरण कराना सुनिश्चित करें। नवीनीकरण के उपरांत श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न पात्रता आधारित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। श्रम प्रवर्तन अधिकारी चमोली ए.के. बर्मन ने समस्त संबंधित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि आवश्यक अभिलेखों के साथ समय पर अपने श्रमिक कार्ड का नवीनीकरण करवाना सुनिश्चित करें, ताकि पंजीकरण की वैधता निरन्तर बनी रहे तथा बोर्ड द्वारा संचालित पात्रता आधारित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि श्रमिक कार्ड के नवीनीकरण हेतु स्वघोषणा पत्र, गत 90 दिवसों के कार्य का प्रमाण पत्र, श्रमिक पंजीकरण कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक/बैंक खाते का विवरण देना जरूरी है।

टीसीजी पब्लिक स्कूल की अर्चिता काला रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : देवभूमि पहल समिति की तरफ से बलिदानी रायफलमैन मंदीप सिंह रावत की पुण्यस्मृति में नगर स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में टीसीजी पब्लिक स्कूल की अर्चिता काला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जानकीनगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बलिदानी सैनिक की माता सुमा देवी व अंजली रावत ने बलिदानी सैनिक के चित्र माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। बलिदानी मंदीप सिंह रावत के राष्ट्र के प्रति समर्पण व उनकी वीरता, शौर्य पर आधारित डाक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। वाद-विवाद प्रतियोगिता में टीसीजी पब्लिक स्कूल की अर्चिता काला प्रथम, कांवेंट पब्लिक स्कूल की तिस्ता द्वितीय व नवयुग पब्लिक स्कूल की साक्षी नेगी तृतीय रही। देवभूमि पहल समिति के अध्यक्ष शिवम नेगी ने कहा कि समिति का उद्देश्य युवाओं को मंच प्रदान करना, उनमें राष्ट्र व समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और उन्हें सकारात्मक दिशा में प्रेरित करना है। उन्होंने युवाओं और नागरिकों से सामाजिक सरोकारों से कार्यों में अधिक से अधिक भागीदारी के प्रेरित किया। इस मौके पर उत्कर्ष नेगी, सौरव धूलिया, अभय जुयाल, नैंसी रावत, आशुतोष रावत, रोहित कुमार, निधि बहुखंडी, आचार्य रोहित बलोधी, डा. संदीप कुमार, राजेंद्र सिंह रावत, आनंद बंसवाल मौजूद रहे।

भाजपा की तिरंगा यात्रा में गूंजा भारत माता का जयघोष

स्कूली छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर दिया राष्ट्रप्रेम का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। हाथों में तिरंगा थामे विद्यार्थियों ने भारत माता के जयघोष और देशभक्ति के नारों से शहर को गुंजायमान कर दिया। तिरंगा यात्रा के संयोजक शैलेंद्र सिंह बिष्ट एवं भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल के नेतृत्व में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं और शिक्षक-शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में एक बारातघर में एकत्रित हुए। यहां से तिरंगा यात्रा शुरू होकर तीलू रौतेली चौक, झंडाचौक होते हुए मालवीय उद्यान पहुंची। मालवीय उद्यान में यात्रा का समापन जनसभा के रूप में हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने तिरंगा यात्रा के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान के बाद भारत को आजादी मिली है। आज भी देश की सेना के जवान इसी तिरंगे की आन, बान और शान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर रहे हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और उसकी गरिमा बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति सदैव समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। तिरंगा यात्रा के संयोजक शैलेंद्र सिंह बिष्ट ने यात्रा को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, गौरव और बलिदान का प्रतीक है। इस अवसर पर बींरेंद्र रावत, राजेंद्र जखमोला, हरीश खर्कवाल, प्रेमा खंतवाल, हरि सिंह पुंडीर, संग्राम सिंह भंडारी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में तिरंगा यात्रा निकालते भाजपा कार्यकर्ता व स्कूली छात्र

द्वारीखाल बीडीसी बैठक में छाई रही समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड द्वारीखाल की क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) बैठक में सड़क, शिक्षा, पेयजल और कृषि समेत क्षेत्र की विभिन्न मूलभूत समस्याएं प्रमुखता से उठीं। जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को सदन के समक्ष रखते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। बैठक में कुल 107 समस्याएं दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का संबंधित अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कर दिया। वहीं, शेष समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को एक सप्ताह का समय दिया गया।

ब्लॉक प्रमुख बीना राणा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लोक निर्माण विभाग, पेयजल, शिक्षा और कृषि से जुड़े मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया। इसके अलावा विद्युत, राशन कार्ड और अन्य विभागों से संबंधित समस्याएं भी सदन में उठाई गईं। बैठक में बींरेंद्र सिंह ने द्वारीखाल-बरसूड़ी मोटर मार्ग के चौड़ीकरण का मुद्दा उठाते हुए सड़क की समस्या के समाधान की मांग की। सतीश सिंह ने आबाद खेतों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए प्रभावी योजना तैयार करने की मांग रखी। वहीं बीना देवी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय पाली के भवन के मरम्मतीकरण का मुद्दा उठाया। अर्जुन सिंह ने द्वारीखाल-चेलूसैंण मोटर मार्ग पर स्थित गदेरे में पुल निर्माण की मांग सदन में रखी। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, पेयजल, शिक्षा और कृषि से जुड़ी समस्याओं का सीधा असर ग्रामीणों के जनजीवन पर पड़ रहा है, इसलिए इनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना जरूरी है। ब्लॉक प्रमुख बीना राणा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सदन में उठाई गई शेष समस्याओं का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों में तेजी लाने के साथ ही जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। बैठक में कनिष्ठ उप प्रमुख कौशल्या देवी, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राणा, अर्जुन सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य पुष्पा देवी, जिला पंचायती राज अधिकारी जितेंद्र कुमार, अधिशासी अभियंता लोनिवि लैंसडाउन विवेक कुमार, अधिशासी अभियंता लोनिवि दुगड्डा निर्भय सिंह, विद्युत विभाग की नमिता अग्रवाल, खंड विकास अधिकारी जयकृत बिष्ट समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

द्वारीखाल मं आयोजित बैठक में भाग लेत जनप्रतिनिधि

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर फोटोग्राफरों ने दिया धरना

श्रीनगर गढ़वाल : बस अड्डे के निकट बुधवार रात फोटोग्राफरों के साथ हुई मारपीट की घटना के विरोध में गुरूवार को श्रीनगर फोटोग्राफी वेलफेयर सोसायटी के सदस्य कोतवाली पहुंचे और धरने पर बैठ गए। उन्होंने घटना में शामिल सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और हुए नुकसान की भरपाई की मांग की।

सोसायटी के अध्यक्ष विजय सिंह रावत ने बताया कि उनके दो साथी सुमित जयाड़ा और राजेश बडोनी के साथ गढ़वाल विवि के कुछ छात्रों ने मारपीट की। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद एक साथी की सोने की चेन और दूसरे की चांदी की चेन भी गायब है। उन्होंने बताया कि घटना से जुड़े दो युवकों को पकड़ा जा चुका है, जबकि दो अन्य की गिरफ्तारी अभी बाकी है। फोटोग्राफरों ने कहा कि इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुलदीप कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

हंस फाउंडेशन करेगा बेस अस्पताल की डायलिसिस यूनिट का संचालन

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के बेस चिकित्सालय की डायलिसिस यूनिट का संचालन अब हंस फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन और हंस फाउंडेशन के बीच समझौता (एमओयू) हुआ है। सितंबर के प्रथम सप्ताह के बाद हंस फाउंडेशन डायलिसिस यूनिट का पूर्ण रूप से संचालन अपने अधीन शुरू कर देगा।

यह एमओयू तीन वर्ष के लिए किया गया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद डायलिसिस मरीजों को पूर्व की भांति व्यवस्थित, गुणवत्तापूर्ण और बेहतर सुविधाएं मिलती रहेगी।

बेस चिकित्सालय की डायलिसिस यूनिट में वर्तमान में कुल 10 बेड हैं। यहां विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले करीब 62 मरीज डायलिसिस कराते हैं। यूनिट में एक माह में लगभग 513 से अधिक डायलिसिस किए जाते हैं। एमओयू से पहले हंस फाउंडेशन की दो सदस्यीय टीम में शामिल हंस फाउंडेशन के वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक अमर सिंह और सहायक कार्यक्रम प्रबंधक वरुना सिंह ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एएन पांडेय के साथ यूनिट का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्वतंत्रता दिवस से पूर्व पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत के विद्यार्थियों ने तिरंगा यात्रा निकालकर लोगों को देशभक्ति का संदेश दिया। इस दौरान पूरा गांव देशक्ति के नारों से गूंज उठा।

विद्यालय के यूथ एवं ईको क्लब, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देशभर में 9 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत तिरंगा रैली, देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, पौध रोपण, सेल्फी विद तिरंगा तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव का पर्व है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी में देशप्रेम और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना और मजबूत होती है। शिक्षक प्रमोद कुमार रमोला, तपेंद्र बिष्ट, सतीश चंद्र शाह, नीरज कुमार, प्रकाश कैंथोला, दिनेश सिंह बिष्ट व विजेता गडोई ने विद्यार्थियों को तिरंगा के महत्व के बारे में बताया।

तिरंगा यात्रा निकालते पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत के विद्यार्थी

तिरंगा रैली निकाल कर दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन के विद्यार्थियों ने 'हर घर तिरंगा, हर घर झंडा' अभियान के तहत भव्य तिरंगा रैली निकाली। हाथों में तिरंगा लिए विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारे लगाकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना पैदा करना रहा।

विद्यालय बैंड एवं एनसीसी कैडेट्स के साथ विद्यार्थियों ने अनुशासित मार्च पास्ट करते हुए 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' एवं 'भारत माता की जय' के नारों से नगर वासियों में राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दिया। रैली गांधी चौक से ऐतिहासिक शताब्दी द्वार तक निकाली गई। शताब्दी द्वार पर कार्यवाहक चेयरमैन कर्नल कुलदीप सिरोही, सेना मेडल, डिप्टी कमांडेंट, जीआरआरसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके देशभक्ति के जज़्बे की सराहना की। प्रधानाचार्य विजेन्द्र दत्त सुंद्रियाल ने स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तिरंगा हमारे वीर बलिदानियों के त्याग और समर्पण का प्रतीक है तथा इसका सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को हर घर तिरंगा अभियान के उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने और राष्ट्रहित में जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का किया जाएगा सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : भारत विभाजन की पीड़ा को स्मरण करने और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के लिए 14 अगस्त को जनपद में विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जाएगा। इसका मुख्य आयोजन प्रातः 9 बजे से पीएम श्री अटल उत्कृष्ट स्वामी सच्चिदानंद राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग में होगा। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि प्रतिवर्ष 14 अगस्त को विभीषिका दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य भारत विभाजन के दौरान अपने प्राणों की आहूति देने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करना है। साथ ही विस्थापित परिवारों के संघर्ष को याद करते हुए राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, अखंडता और विश्व शांति के मूल्यों को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के आश्रितों और परिजनों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। डीएम ने कार्यक्रम को गरिमामय बनाने के लिए जनपद के सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के परिजनों को कार्यक्रम में आमंत्रित करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल संपादन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं, ताकि विभाजन की विभीषिका और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके।

संपादकीय

टनल परियोजनाओं पर सवाल

चमोली जिले के पीपलकोटी क्षेत्र में निर्माणाधीन टनल में अचानक पानी और मलबा घुस गया है जिससे कई मजदूर टनल के अंदर फंसे हैं जिन्हें निकालने का कार्य किया जा रहा है। पूर्व में भी सुरंग में चल रही परियोजना को लेकर ऐसे प्रकरण सामने आ चुके हैं और इस घटना से यह स्पष्ट हो गया है कि यह परियोजना पूरी तरह से यहां काम करने वाले लोगों के लिए सुरक्षित नहीं है। घटना केवल एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि यह उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में चल रहे बड़े निर्माण कार्यों की सुरक्षा व्यवस्था व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। उत्तराखंड हमेशा से ही ऐसी परियोजनाओं के लिए संवेदनशील रहा है और जिस प्रकार से पहाड़ों को उनके मूल स्वरूप से कटकर नया आकार दिया गया है वह प्राकृतिक रूप से भी मानवीय सुरक्षा के लिए घातक है। उत्तराखंड की भूगर्भीय संरचना अत्यंत जटिल और नाजुक है। पहाड़ों के भीतर होने वाले निर्माण कार्यों में जरा–सी चूक भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। पूर्व में हुआ सिलक्यारा टनल हादसा आज भी यादों में समाया हुआ है। विभिन्न सुरंगों में मलबा गिरने की घटनाएं और जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़े हादसे यह संकेत देते हैं कि विकास परियोजनाओं के साथ सुरक्षा को समान महत्व नहीं दिया जा रहा है। खान की उत्तराखंड सरकार ऐसे हाथों से निपटने के लिए जी जान से प्रयास करती है लेकिन व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि इस प्रकार के हाथ से यदि होते भी हैं तो टनल में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए निकासी के व्यापक प्रबंध होने चाहिए। अच्छी बात यह है कि कठिन परिस्थितियों में बचाव दलों ने जिस तत्परता से राहत दलों ने कार्य शुरू किया है वह मानव जीवन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लेकिन प्रश्न फिर वही खड़ा होता है कि आखिर ऐसे हाथों के लिए जिम्मेदार प्राकृतिक आपदा को माना जाए या फिर पहाड़ों के अनुकूल ऐसी परियोजनाओं का संचालन। क्या सुरंग निर्माण से पहले पर्याप्त भूवैज्ञानिक अध्ययन किया गया था? क्या संभावित जलस्त्रोतों, कमजोर चट्टानों और भू–संरचनात्मक जोखिमों का सही आकलन हुआ था? क्या सुरंग के भीतर आपातकालीन निकास मार्ग, चेतावनी प्रणाली और त्वरित निकासी की व्यवस्था उपलब्ध थी? यदि इन सवालों के जवाब संतोषजनक नहीं हैं, तो यह केवल तकनीकी नहीं बल्कि इन परियोजनाओं की असफलता का उदाहरण है। उत्तराखंड ने वर्ष 2021 की चमोली आपदा से लेकर सिलक्यारा टनल हादसे तक अनेक त्रासदियों का सामना किया है। इन घटनाओं ने बार–बार चेतावनी दी है कि हिमालयी क्षेत्रों में विकास कार्य केवल इंजीनियरिंग का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण, भूविज्ञान और मानव सुरक्षा के संतुलन से भी जुड़ा हुआ है। सिर्फ किसी परियोजना को शुरू करना ही काफी नहीं है बल्कि लगातार होने वाले ऐसे हाथों के बाद अब निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। किसी भी परियोजना या निर्माण कार्य में मानव जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए और यह तभी संभव है जब ऐसे कार्यों के लिए व्यापक प्राकृतिक एवं भूगर्भीय अध्ययन किया जाए। पीपल कोठी की यह घटना दर्शाती है कि उत्तराखंड के पहाड़ ऐसी परियोजनाओं को चलाने के लिए अनुकूल नहीं है। पहाड़ केवल संसाधन नहीं, बल्कि संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र हैं। यदि सुरक्षा मानकों की अनदेखी जारी रही, तो विकास की ये सुरंगें प्रगति का मार्ग बनने के बजाय दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति देखने को मिलेगी। समय की मांग है कि सरकार, निर्माण एजेंसियां और विशेषज्ञ संस्थान मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें, जिसमें विकास भी हो और मानव जीवन की सुरक्षा भी सर्वोपरि रखी जाए।

तिरंगा : भारत की आन, बान और शान

हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दशार्ते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें निःस्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दशार्ता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दशार्ता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दशार्ता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है।

भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दशार्ने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे।

भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। 'होम रूल आंदोलन' के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निर्देशों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। सुरैया बद्र-उद-दीन तैयब द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दशार्ती है। बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दशार्ती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दशार्ता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था।

भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाईं ओर एक बैल और बाईं ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर 'सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छः जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह 'चक्र' 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। अभी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था जिसके बाद देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है।

15 अगस्त 1947 आजाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। आजादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को

देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के हर-घर तिरंगा जन अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और प्रबल हुआ है। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति ,धर्म,संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

आज के समय में तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का दर्पण भी है। यह हमें आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा जैसे अभियान भारतीयों को अपने ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को और गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं। तिरंगा झंडा भारत और भारतीयता का एक ऐसा प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर प्रेरित करता है। इसके रंग और चक्र हमें साहस, शांति, समृद्धि और प्रगति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह ध्वज हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का अर्थ है विविधता में एकता, स्वाभिमान में साहस और शांति में प्रगति। तिरंगे के अक्स में हमारा भारत और हमारी भारतीयता न केवल जीवंत है बल्कि विश्व मंच पर एक प्रेरणा स्रोत के रूप में भी उभर रही है।

देश के प्रत्येक नागरिक को आजादी के इस अमृतकाल में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आज हर देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आजादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन- मन न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा जो शहीदों को अमृत काल में सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सत्तापक्ष-विपक्ष के गतिरोध में घिरा संसद का मानसून सत्र

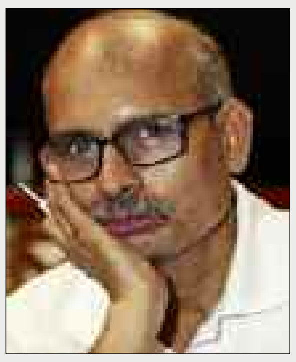

विनोद सिंह 'तकियावाला',

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुर:स्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

12 विधेयक पारित होने के बावजूद लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता ने संसदीय कार्यप्रणाली, कार्यसमय और करदाताओं के धन पर खड़े किए गंभीर सवाल...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।यही वह सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच है जहाँ देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएँ, समस्याएँ, अपेक्षाएँ और भविष्य की नीतियाँ कानून का स्वरूप ग्रहण करती हैं।संसद केवल विधेयक पारित करने की संस्था नहीं है। यह सरकार की जवाबदेही तय करने,विपक्ष को अपनी बात रखने और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक संवाद का संवैधानिक मंच है।

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

ये आँकड़े केवल संसदीय रिकॉर्ड नहीं हैं। इनके पीछे एक गंभीर सवाल है कि संसद को उपलब्ध कराए गए समय का कितना हिस्सा वास्तव में जनता के सवालों, कानून निर्माण और राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा में बदल पाया।संसद की कार्यवाही का प्रत्येक घंटा देश की जनता की अमानत है। प्रश्नकाल में सांसद सरकार से सवाल पूछते हैं।शून्यकाल में तत्काल जनहित के विषय उठाए जाते हैं। विधेयकों पर चर्चा होती है। सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है।विभिन्न राज्यों और समाज के अलग-अलग वर्गों की समस्याएँ राष्ट्रीय मंच तक पहुँचती हैं।ऐसे में संसद का एक घंटा केवल समय नहीं है।वह लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक घंटा है।लंबे समय से संसदीय व्यय के संबंध में प्रति मिनट लगभग ढाई लाख रुपये के सार्वजनिक खर्च का अनुमान सामने आता रहा है। इस हिसाब से संसद की कार्यवाही के एक घंटे पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये और आठ घंटे के कार्यदिवस पर लगभग 12 करोड़ रुपये तक खर्च होने का अनुमान लगाया जाता है। इसमें सांसदों के वेतन और भत्ते, संसद सचिवालय,सुरक्षा,तकनीकी व्यवस्था,अनुवाद,प्रसारण, बिजली, रखरखाव और कर्मचारियों से संबंधित खर्च शामिल हैं।संसद चले या न चले,इन व्यवस्थाओं पर होने वाला अधिकांश खर्च जारी रहता है। इसलिए जब सदन हंगामे और स्थगन की वजह से बाधित होता है तो नुकसान केवल समय का नहीं होता। जनता के धन और लोकतांत्रिक अवसर दोनों प्रभावित होते हैं।संसदीय गतिरोध की समस्या नई नहीं है। पिछले वर्षों में भी कई सत्रों में व्यवधान के कारण निर्धारित कार्यसमय का बड़ा हिस्सा नष्ट हुआ है।वर्ष 2025 के मानसून सत्र में लोकसभा के लिए निर्धारित 120 घंटों में लगभग 37 घंटे ही बैठक हो सकी थी। इससे स्पष्ट है कि संसदीय समय का सदुपयोग लगातार चिंता का विषय बना हुआ है।मानसून सत्र 2026 में भी कम उत्पादकता का आँकड़ा सामने है।

लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत उत्पादकता बताती है कि उपलब्ध संसदीय समय का बड़ा हिस्सा अपेक्षित कार्य में नहीं बदल सका।फिर भी इस सत्र को पूरी तरह निष्फल कहना उचित नहीं होगा। दोनों सदनों ने 12 विधेयक पारित किए।लोक परीक्षा प्रणाली में अनुचित साधनों की रोकथाम को मजबूत करने वाला संशोधन युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता युवाओं के भविष्य और व्यवस्था के प्रति उनके विश्वास दोनों के लिए आवश्यक है।जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण में संशोधन प्रशासनिक अभिलेखों की विश्वसनीयता से जुड़ा है। बैंककार बही साक्ष्य विधेयक डिजिटल युग की बैंकिंग व्यवस्था के अनुरूप कानूनी ढाँचे को आधुनिक बनाने का प्रयास है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास संशोधन विधेयक छोटे कारोबारियों और उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है। वित्त तक पहुँच आसान करना और विलंबित भुगतान से जुड़े विवादों का शीघ्र समाधान टरटए क्षेत्र को मजबूती दे सकता है।

अधिकरण सुधार विधेयक न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था की दक्षता से जुड़ा है। खान और खनिज क्षेत्र से संबंधित संशोधन देश की आर्थिक आवश्यकताओं और आत्मनिर्भर भारत की दिशा से जुड़े हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से संबंधित संशोधन सहकारी क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने का प्रयास है।वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण देने वाला प्रावधान राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से जुड़ा है। केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव संवैधानिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय पहचान का विषय है। विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा जाना इस बात का उदाहरण है कि जटिल विषयों पर विस्तृत विचार के लिए संसदीय समिति व्यवस्था का उपयोग किया जा सकता है। इन उपलब्धियों के बावजूद एक सवाल अपनी जगह कायम है। क्या विधेयक पारित होना ही संसद की सफलता का पर्याप्त मापदंड है?कानून बनाना संसदीय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसके साथ उस कानून पर पर्याप्त बहस भी उतनी ही आवश्यक है। विधेयक के प्रावधानों पर सरकार का पक्ष सामने आए।विपक्ष अपने सुझाव और आपत्तियाँ रखे। विशेषज्ञों की राय ली जाए। आवश्यक संशोधन हों। तभी कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक व्यापक और प्रभावी बन सकती है।लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है। विपक्ष का काम सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना है। जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना है।सरकार का दायित्व है कि वह विपक्ष की आवाज सुने और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा का अवसर दे।परन्तु विरोध और व्यवधान में अंतर है।विरोध लोकतंत्र को मजबूत करता है। लगातार व्यवधान लोकतंत्र की कार्यक्षमता को कमजोर करता है।यदि प्रश्नकाल बाधित होता है तो जनता के सवालों के उत्तर नहीं मिलते। शून्यकाल बाधित होता है तो तत्काल जनहित के मुद्दे सदन तक नहीं पहुँच पाते।विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होती तो कानून निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठता है।यह भी उचित नहीं होगा कि हर व्यवधान के लिए केवल विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाए।सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संसद की गरिमा और कार्यवाही के लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। विपक्ष को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है।सरकार को जवाब देने का दायित्व है।दोनों के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।संसद किसी राजनीतिक दल का मंच नहीं है।यह पूरे राष्ट्र की संस्था है।आज भारत विकास के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है।रेल,सड़क,रक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था,अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विनिर्माण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं।ऐसे समय में संसद का प्रत्येक कार्यदिवस राष्ट्रीय महत्व रखता है।किसान अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है।युवा रोजगार और परीक्षा व्यवस्था पर जवाब चाहता है।छोटे कारोबारी वित्त और कारोबार की कठिनाइयों पर चर्चा चाहते हैं।आम नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य,महँगाई,सुरक्षा और विकास से जुड़े प्रश्नों पर सरकार से जवाब चाहता है।

इन सभी सवालों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद है। करदाता भी यह जानना चाहता है कि संसद के संचालन पर खर्च होने वाला उसका पैसा किस प्रकार जनहित में परिवर्तित हो रहा है। इसलिए संसदीय उत्पादकता केवल एक प्रशासनिक आँकड़ा नहीं है।यह जनता के प्रति लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का भी पैमाना है।

संसदीय गतिरोध की कीमत केवल रुपये में नहीं आँकी जा सकती। सबसे बड़ी कीमत लोकतांत्रिक विश्वास की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है कि वे उसकी आवाज संसद में उठाएँ। यदि वही संसद बार-बार हंगामे और स्थगन की तस्वीर प्रस्तुत करे तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता को मिला प्रतिनिधित्व किस सीमा तक प्रभावी हो पाया।

सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत केवल कानून पारित करने की शक्ति नहीं है। बहुमत के साथ संवाद और जवाबदेही की जिम्मेदारी भी आती है। विपक्ष को भी समझना होगा कि प्रभावी विरोध का अर्थ सदन को लगातार रोकना नहीं है।तीखी बहस हो सकती है। सरकार से कठोर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।जनहित के मुद्दों पर दबाव बनाया जा सकता है। किंतु संसद की पूरी कार्यवाही को बाधित करना लोकतांत्रिक उद्देश्य को कमजोर करता है।

आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक लचीलेपन का परिचय दें।महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर सर्वदलीय संवाद को मजबूत किया जाए।संसदीय समितियों की भूमिका बढ़ाई जाए।प्रश्नकाल और शून्यकाल को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित किया जाए।संसदीय आचार और मयार्दा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।मानसून सत्र 2026 अपने साथ 12 विधेयकों के पारित होने की उपलब्धि लेकर समाप्त हुआ है। साथ ही लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता का आँकड़ा भी छोड़ गया है।यह आँकड़ा सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है।संसद में मतभेद रहें।राजनीतिक संघर्ष रहे। सरकार से सवाल पूछे जाएँ।विपक्ष की आलोचना हो। लेकिन संवाद का रास्ता बंद नहीं होना चाहिए।संसद चलेगी तो सवाल उठेंगे।सवाल उठेंगे तो जवाब माँगे जाएँगे।जवाब मिलेंगे तो जवाबदेही तय होगी।जवाबदेही तय होगी तो बेहतर कानून बनेंगे। बेहतर कानून बनेंगे तो देश की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी।अंततः संसद किसी सरकार की नहीं है।संसद किसी विपक्ष की नहीं है। संसद पूरे भारत की है। वहाँ व्यतीत होने वाला प्रत्येक मिनट जनता की अमानत है।वहाँ होने वाली प्रत्येक सार्थक बहस लोकतंत्र की पूँजी है।संसद का प्रत्येक मिनट जनता की गाढ़ी कमाई से जुड़ा है। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का दायित्व है कि राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर संसद की गरिमा,लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करें।

लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार में नहीं है। लोकतंत्र की विजय तब होगी जब संसद चलेगी, संवाद होगा,जनता के सवाल उठेंगे, सरकार जवाब देगी और देशहित में निर्णय होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज, 106 यात्रियों को बचाया गया; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 106 को बचाया गया है। इसके साथ ही आग बुझाने की कोशिशें की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल और वहां से गुजर रहे जहाजों ने 106 लोगों को बचा लिया था। वहीं, वे जलते हुए जहाज से बाकी 25 लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे है। मताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।' उन्होंने बताया कि समुद्र में उथल-पुथल और 4 मीटर (13 फीट) तक ऊंची लहरों के कारण बचाव कार्य में मुश्किल आ रही थी। प्रांतीय राजधानी मताराम में मौजूद सर्च ऑफिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4:15 बजे लगी। उस समय 'पुत्री यास्मीन' जहाज बाली के पाडांग बाई पोर्ट से वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के पड़ोसी द्वीप लोम्बोक के लेम्बर पोर्ट जा रहा था। एजेंसी को लगभग आधे घंटे बाद इमरजेंसी रिपोर्ट मिली और उसने तुरंत अपने कर्मचारियों और बचाव जहाजों को काम पर लगा दिया। हरियादी ने बताया कि बचाव अभियान में इंडोनेशियाई नौसेना के जहाज, पेट्रोल बोट, बचाव नौकाएं और हवाई सर्वे के लिए एक हेलीकॉप्टर शामिल थे। हरियादी ने पाडांग बाई पोर्ट अथॉरिटी से मिली यात्री सूची के आधार पर बताया कि जहाज में 114 यात्री और 17 क्रू सदस्य सवार थे। इसके साथ ही जहाज में 44 गाड़ियां और 53 मोटरसाइकिलें भी लदी हुई थीं।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्नू केस के आरोपी निखिल गुप्ता की सजा की तारीख बदली, अब कब होगा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूल करने वाले निखिल गुप्ता की सजा सुनाने की तारीख 20 नवंबर तक टाल दी है। न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने पहले गुप्ता को सजा सुनाने के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी, लेकिन जिसकी हत्या की साजिश रची गई थी उस व्यक्ति के अनुरोध पर सुनवाई को टाल दिया गया। हालांकि कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में पीड़ित का नाम नहीं है, लेकिन पन्नू के वकील ने सार्वजनिक रूप से खुद को कथित हत्या की साजिश का निशाना बताया है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के समक्ष दायर एक पत्र में, सरकारी वकीलों ने बताया कि जिस पीड़ित का नाम नहीं बताया गया है। वह सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया में शामिल होना चाहता है। उन्होंने 25 सितंबर को होने वाली सुनवाई को टालने का अनुरोध किया क्योंकि उस समय वह देश से बाहर होगा। जज विक्टर मरेरो ने यह अनुरोध मान लिया और गुप्ता को सजा सुनाने की तारीख बदलकर 20 नवंबर को सुबह 10 बजे कर दी। 13 फरवरी को गुप्ता ने पन्नू की हत्या की साजिश के संबंध में हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के तीनों आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली। सुपारी लेकर हत्या करने के आरोप में अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल, जापान बोला-समुद्र में गिरी; क्यों बढ़ा तनाव

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बुधवार को अपने पूर्वी तट से जापान सागर की ओर एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, संदिग्ध मिसाइल समुद्र में गिर गई। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब एक सप्ताह से भी कम समय में उत्तर कोरिया की ओर से दूसरी बार इस तरह के हथियार का परीक्षण किया गया है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने वहां की सेना के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक अज्ञात प्रक्षेप्य का प्रक्षेपण किया। दक्षिण कोरियाई सेना ने इस प्रक्षेपण की जानकारी ऐसे समय में दी है, जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों को लेकर तनाव बना हुआ है। उत्तर कोरिया का यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका की ओर से अगले सप्ताह वार्षिक बड़े पैमाने का सैन्य अभ्यास शुरू करने की घोषणा के दो दिन बाद हुआ है। दोनों देशों का कहना है कि इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' नाम से होने वाले इस सैन्य अभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया की प्रतिक्रिया पर भी नजर है। प्योंगयांग लंबे समय से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है।

तालिबानी शासन के पांच साल: अफगान महिलाओं से छिना पढ़ने, काम करने और सपने देखने का हक; कैसे जिंदा हैं उम्मीदें

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पांच साल पूरे होने के बीच वहां की लड़कियों और महिलाओं की जिंदगी पर पाबंदियों की तस्वीर सामने आई है। पढ़ाई, नौकरी और आजादी के रास्ते बंद होने के बावजूद कई महिलाएं अपने सपनों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। बल्ख की 23 वर्षीय सोफिया मालेक चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं लेकर साहित्य पढ़ रही हैं और उपन्यास लिख रही हैं, जबकि हेरात की पूर्व महिला सैनिक पारस्तो को अपनी वर्दी तक छोड़नी पड़ी। इन महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि पाबंदियों के बीच भी पढ़ने, लिखने और अपने पैरों पर खड़े होने की इच्छा खत्म नहीं हुई है।

तालिबान के शासन में महिलाओं की जिंदगी कैसे बदल गई : तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के सामने कई तरह की पाबंदियां खड़ी हो गईं। पढ़ाई और काम के अवसर सीमित हुए तो उनके लिए सामान्य जीवन जीना भी मुश्किल हो गया। कई महिलाओं को अपने पुराने काम और पहचान से हाथ धोना पड़ा। हेरात की रहने वाली पारस्तो छह साल तक समर्पित सैनिक के तौर पर अफगानिस्तान की सेवा कर चुकी थीं। लेकिन तालिबान के सत्ता में आने के बाद उन्हें और उनकी महिला साथियों को बुलाकर वर्दी सौंपने के लिए कहा गया। उनके मुताबिक, वर्दी छिनने का एहसास ऐसा था जैसे उनसे जीने का अधिकार ही छीन लिया गया हो।

पूर्व महिला सैनिक पारस्तो आज किस डर में जी रहीं : पारस्तो के मुताबिक, तालिबान के लोगों की ओर से उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उनके पति को भी तालिबान के लोग बुलाकर पूछताछ करते हैं कि उन्होंने कितने तालिबानियों को मारा था। ऐसे माहौल में उनका रोज का जीवन डर में बीत रहा है। सुबह घर का काम पूरा करने के बाद वह काम की तलाश में निकलती हैं और फिर पति के सुरक्षित घर लौटने की चिंता करती हैं। उनके लिए पुरानी नौकरी और सैनिक की पहचान अब अतीत बन चुकी है।

सोफिया मालेक पढ़ने-लिखने का सपना कैसे बचा रहीं : उत्तरी अफगानिस्तान की रहने वाली 23 वर्षीय सोफिया मालेक उन महिलाओं में हैं जो पाबंदियों के बावजूद अपने सपनों को छोड़ना नहीं चाहतीं। वह अंडरकवर पत्रकार के तौर पर लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां दर्ज करती हैं और उन्हें दुनिया के सामने लाने की कोशिश करती हैं। इसके साथ ही वह चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं ले रही हैं और साहित्य की समझ बढ़ा रही हैं। वह एक उपन्यास भी लिख रही हैं। उनके लिए पढ़ना, लिखना और सृजन करना ऐसा सपना है जिसे कोई तब तक नहीं छीन सकता, जब तक इंसान खुद उसे छोड़ न दे।

सोफिया को हर दस्तक से डर क्यों : सोफिया के लिए अपने काम को जारी रखना आसान नहीं है। उनके मुताबिक, हर समय पकड़े जाने का डर बना रहता है। जब भी घर के दरवाजे पर कोई दस्तक देता है तो उनकी धड़कनें तेज हो जाती हैं। वह अपना लैपटॉप गद्दे के नीचे छिपा देती हैं। तालिबानी अधिकारी उनके घर की कई बार तलाशी भी ले चुके हैं। इसके बावजूद वह लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां लिखती हैं और अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं। कभी-कभी अपनी पसंद की किताब खरीदने के लिए बुकशॉप जाना भी उनकी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बन गया है।

अफगानिस्तान छोड़ चुकी महिलाओं को पीछे छूटी सहेलियों की चिंता क्यों : साल 2021 में काबुल छोड़कर अमेरिका पहुंचीं अफगान मूल की मुर्सल रहीम ने भी वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर अपनी पीड़ा साझा की है। उनका कहना है कि अमेरिका में शिक्षा, नौकरी और स्वतंत्रता का आनंद लेते हुए उन्हें अपनी उन सहेलियों की याद आती है, जो अब भी अफगानिस्तान में कैदियों जैसा जीवन जी रही हैं। अमेरिका में शरण मिलना उनके लिए राहत की बात रही, लेकिन उन्हें इस बात का अपराध-बोध भी रहता है कि वह किस्मत से बाहर निकल पाईं, जबकि उनकी कई साथी आज भी पाबंदियों के बीच जिंदगी गुजार रही हैं। अफगानिस्तान की इन महिलाओं की कहानियां दिखाती हैं कि पाबंदियां उनके रास्ते को मुश्किल बना सकती हैं, लेकिन उनकी इच्छा को पूरी तरह खत्म नहीं कर पाई हैं। कोई चोरी-छिपे पढ़ाई कर रही है, कोई अपनी कहानी दुनिया तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है और कोई देश से बाहर निकलने के बाद भी वहां फंसी महिलाओं के लिए आवाज उठा रही है। मुर्सल रहीम ने अमेरिकी सरकार से भी अपील की है कि संकट में फंसी अफगान महिलाओं को भुलाया नहीं जाए।

रूस से तेल खरीद पर 100% टैरिफ का खतरा, यूएस अधिकारी बोले- पीएम मोदी और ट्रंप खुद सुलझाएंगे मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर संभावित 100 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका की ओर से अहम बयान आया है। अमेरिकी व्यापार एवं विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे कामकाजी संबंध हैं और दोनों नेता इस मुद्दे को आपस में सुलझा लेंगे। नवारो ने एएनआई के सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले में उन्हें या किसी अन्य अधिकारी को दोनों नेताओं के बीच आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर समाधान निकाल लेंगे।

क्या रूस से तेल खरीद पर भारत पर लग सकता है 100 फीसदी टैरिफ : यह मामला अमेरिकी सीनेट में पारित एक द्विदलीय विधेयक के बाद चर्चा में आया है। 7 अगस्त को अमेरिकी सीनेट ने ऐसा विधेयक पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीद जारी रखने वाले देशों के सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। सीनेट में लिंडसे ओ ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026 को 86-11 के भारी बहुमत से मंजूरी मिली। इस प्रस्ताव का उद्देश्य रूस और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाना तथा मॉस्को के साथ बड़े ऊर्जा कारोबार वाले देशों को निशाना बनाना है।

क्या भारत रूस से तेल खरीदने वाले प्रमुख देशों में शामिल है : प्रस्ताव के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के शीर्ष पांच खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया जा सकता है। भारत और चीन रूस के कच्चे तेल के बड़े खरीदारों में शामिल हैं। विधेयक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य वरिष्ठ राजनीतिक एवं सैन्य अधिकारियों के अलावा वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा परियोजनाओं और रूस के युद्ध प्रयासों से जुड़े संस्थानों पर नए प्रतिबंधों का भी प्रावधान है।

क्या भारत ने 2022 के बाद रूस से तेल खरीद बढ़ाई : रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से रियायती कीमतों पर कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई। वैश्विक बाजार में अस्थिरता के बीच सस्ता रूसी कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों के लिए लागत को बेहतर ढंग से संभालने और घरेलू आपूर्ति बनाए रखने में मददगार रहा। अमेरिकी प्रस्ताव के तहत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों के सामने एक तरह से रूस से रियायती ऊर्जा खरीद जारी रखने या अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाए रखने के बीच विकल्प खड़ा हो सकता है।

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव, 15 की मौत; 27 लोग अब भी लापता

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया।

जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हालांकि, टिकट की उम्र सीमा से कम उम्र के बच्चों की संख्या अज्ञात हो सकती है और उनका रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ होगा। एजेंसी ने बताया कि नाव की क्षमता 90 लोगों की थी। स्थानीय सांसद मुत्सा मुरोम्बेडजी ने एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि इसमें लोग किनारे पर खड़े होकर यात्रा शुरू करने वाली पुरानी नाव को विदा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग झील के रास्ते करिबा शहर जाने के लिए इस नाव का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो के मुताबिक, किनारे पर मौजूद कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित थे कि झील में तेज लहरों के बीच नाव सुरक्षित रह पाएगी या नहीं। इससे पहले जिम्बाब्वे पुलिस ने बताया था कि बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन उसने घटना से जुड़ी कोई अन्य जानकारी नहीं दी थी। जिम्बाब्वे के सरकारी प्रसारक जेडबीसी ने वीडियो जारी किया, जिसमें स्पीडबोट झील में पलटी हुई दिखाई दे रही एक नाव की ओर जाते नजर आ रही हैं। इसके ऊपर एक हेलीकॉप्टर भी मंडराता दिखाई दिया। दक्षिणी अफ्रीका में स्थित करिबा झील जिम्बाब्वे और उसके पड़ोसी देश जाम्बिया की सीमा का हिस्सा है। यह पानी की मात्रा के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है। इसे 1950 के दशक के अंत और 1960 के दशक की शुरुआत में जाम्बेजी नदी पर बांध बनाकर तैयार किया गया था। बांध के कारण घाटी में धीरे-धीरे पानी भरता गया और विशाल झील का निर्माण हुआ। यह झील अब 200 किलोमीटर से अधिक लंबी और कुछ स्थानों पर 40 किलोमीटर तक चौड़ी है।

हूती हमले में छह की मौत: जहाज पर दो बार दागी मिसाइल, बचाव दल को भी बनाया निशाना; लाल सागर में क्यों बढ़ा खतरा

यमन, एजेंसी। लाल सागर के बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर सामने आई है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। बताया गया है कि हूतियों ने खाद्य सामग्री ले जा रहे छोटे मालवाहक जहाज 'तिहामा' पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज में आग लग गई।

जहाज पर हमला कैसे हुआ और कितने लोगों की मौत हुई : यमन के परिवहन मंत्रालय के अनुसार मिसाइल हमले के बाद लगी आग में चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई। इनमें तीन पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक बताया गया है। चार अन्य चालक दल सदस्य घायल हुए। एक बचावकर्मी के घायल होने की भी जानकारी दी गई है। इसके बाद जब जहाज पर सवार लोगों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया, तब जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया। यमनी अधिकारियों ने इस दूसरे हमले को बचाव दल समेत जहाज पर मौजूद लोगों की जान खतरे में डालने वाला बताया।

दूसरे हमले में बचावकर्मियों को भी बनाया गया निशाना : यमन के तटरक्षक बल ने बाद में पुष्टि की कि मृतकों में दो बचावकर्मी भी शामिल थे। इस तरह हमले में मरने वालों की संख्या छह हो गई। घटना को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि दूसरा हमला उस समय हुआ, जब पहले हमले के बाद राहत और बचाव का काम चल रहा था। इससे जहाज पर मौजूद लोगों के साथ-साथ मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

जहाज के मालिकाना हक को लेकर क्या सामने आया : हमले के बाद जहाज के मालिकाना हक को लेकर शुरुआती जानकारी में भ्रम की स्थिति रही। यमनी अधिकारियों और समुद्री खुफिया समूह की शुरुआती जानकारी में कहा गया कि निशाना बनाया गया जहाज सऊदी अरब के स्वामित्व वाला था। हालांकि उपलब्ध समुद्री डेटा के मुताबिक तिहामा तंजानिया के झंडे के नीचे चल रहा था। जहाज के स्वामित्व से जुड़ी कंपनियां मिस्र और यमन में पंजीकृत बताई गई हैं। इससे जहाज की पहचान और उसके संचालन को लेकर शुरुआती दावों में अंतर सामने आया है। इस घटना के बीच सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर हूतियों के हमले का भी जिक्र सामने आया है। उनके मुताबिक यह कार्रवाई सऊदी अरब की ओर से सादा और हज्जाह प्रांतों में किए गए ड्रोन अभियानों के जवाब में की गई।

होर्मुज में अमेरिकी कार्रवाई तेज, ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी तोड़ने वाले जहाज पर किया हमला

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, पनामा के झंडे वाला यह जहाज ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि जहाज को रुकने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने आदेश नहीं माना। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने जहाज के इंजन रूम में मिसाइलें दागीं, जिससे जहाज चलने में असमर्थ हो गया।

अमेरिका ने जहाज पर हमला क्यों किया : अमेरिकी सेना के अनुसार, एमवी वेला नोवा नाम का जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी को पार करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को रुकने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने चेतावनी नहीं मानी। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने उसके इंजन रूम को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज निष्क्रिय हो गया। हालांकि, अमेरिकी सेना ने यह नहीं बताया कि जहाज पर मौजूद चालक दल के किसी सदस्य को नुकसान पहुंचा या नहीं।

अमेरिका ने नाकाबंदी लागू करने के लिए अब तक क्या कार्रवाई की

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, उसने नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश करने वाले 55 वाणिज्यिक जहाजों का रास्ता बदलवाया है। इसके अलावा तीन ऐसे जहाजों को निष्क्रिय किया गया, जिन्होंने अमेरिकी आदेशों का पालन नहीं किया। दो जहाजों पर अमेरिकी सेना ने सवार होकर कार्रवाई भी की है। इससे साफ है कि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी को लागू कराने के लिए सैन्य दबाव लगातार बढ़ा रहा है।

अरब सागर में अमेरिका की कितनी सैन्य ताकत मौजूद है

अमेरिकी नौसेना के 15 से अधिक युद्धपोत फिलहाल अरब सागर के आसपास के समुद्री क्षेत्र में तैनात हैं। इनमें दो विमानवाहक पोत और एक उभयचर हमला करने वाला जहाज भी शामिल है। यह सैन्य तैनाती ऐसे समय में है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। ओमान की खाड़ी में जहाज पर हुई कार्रवाई से संकेत मिलता है कि ईरान पर दबाव सिर्फ आर्थिक और राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री मार्गों पर भी अमेरिकी निगरानी और कार्रवाई तेज हो गई है।

'मुझे बहुत धमकियां मिलती हैं': राष्ट्रपति ट्रंप ने माना तुर्किये में ट्रक में छिपकर बदला था विमान; क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने कह, 'ईरान पर भरोसा करने वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने लगातार मुझसे झूठ बोला है।' ट्रंप ने कहा कि इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) नियंत्रण नहीं है। हमारा पूरा नियंत्रण है। यह हमारे कब्जे में है। ट्रंप ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी समय ईरान ने कुछ करने की कोशिश की, तो उसे 'उड़ा दिया' जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं।

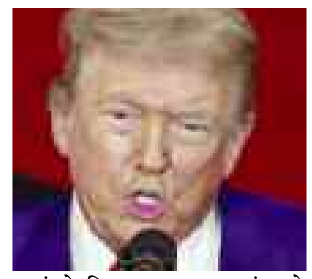

ट्रंप ने की तुर्किये में विमान बदलने की पुष्टि : एक अन्य बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा कि वह सीक्रेट सर्विस और सेना के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है और वह वही करते हैं जो सीक्रेट सर्विस उनसे करने के लिए कहती है। ट्रंप ने बताया कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें एक अलग उड़ान और अलग विमान से जाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वह विमान भी उतना ही सुरक्षित था। लेकिन सीक्रेट सर्विस चाहती थी कि वह उसी विमान से यात्रा करें, इसलिए उन्होंने उनकी बात मान ली। ट्रंप ने कहा, मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शायद वहां कोई खतरा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें बहुत सारी धमकियां मिलती रहती हैं। तुर्किये में पिछले महीने नाटो सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से गंभीर खतरे के चलते बेहद गोपनीय तरीके से वहां से निकाला गया था। ट्रंप को एयरफोर्स वन के पुराने विमान से एक खानपान सामग्री ले जाने वाले कंटेनर के जरिये निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह 8 जुलाई को पुराने एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। पत्रकारों ने तुर्किये में ट्रंप को पुराने नीले रंग के 747 विमान में चढ़ते हुए भी देखा था। हालांकि, ट्रंप उस विमान में सवार नहीं हुए। उन्हें दूसरी तरफ से कंटेनर के जरिये निकालकर एक सी-32ए सैन्य विमान से गुप्त रूप से ब्रिटेन भेजा गया। गौरतलब है कि 747 विमान कतर के शाही परिवार ने अमेरिका को उपहार में दिया था।

अचानक बदला प्लान : ट्रंप एक माह पहले कतर के शाही परिवार से उपहार में दिए गए इस विमान से तुर्किये पहुंचे थे। उन्हें इसी विमान से ब्रिटेन जाना था लेकिन ऐन वक्त पर प्लान बदला गया और कंटेनर में बैठाकर सी-32ए सैन्य विमान तक पहुंचाया गया।

तीसरी बार चुनाव लड़ने के सवाल पर क्या कहा : ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ना पसंद करेंगे, लेकिन कानून इस मामले में बहुत सख्त है। ट्रंप ने कहा, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है।

म्यांमार में सेना ने बदला हवाई हमलों का तरीका: क्या है 'डबल-टैप'; संयुक्त राष्ट्र की जांच में क्या खुलासे हुए

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार की सेना ने सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के साथ जारी संघर्ष के बीच हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों में आम लोग मारे जा रहे हैं। सेना इन हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर और जाइरोकॉप्टर जैसे कम लागत वाले विमानों का इस्तेमाल पहले से ज्यादा कर रही है। उधर, रखाइन प्रांत में सरकार के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह ने दावा किया है कि इस महीने अब तक सेना के हवाई हमलों में 20 आम लोग मारे गए हैं। म्यांमार के सैन्य शासन ने संयुक्त राष्ट्र की जांच या अराकान आर्मी के आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले सेना कहती रही है कि वह केवल युद्ध में वैध ठिकानों पर ही हमला करती है। सेना ने सरकार के खिलाफ लड़ रहे बलों पर आतंकवादी होने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से बनाई गई इंडिपेंडेंट इन्वेस्टिगेटिव मैकेनिज्म फॉर म्यांमार (आईआईएमएम) की रिपोर्ट में एक साल तक चली जांच का विवरण दिया गया है। यह जांच म्यांमार की सेना और उससे जुड़े हथियारबंद समूहों के साथ-साथ सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों को लेकर की गई थी। जांच में पाया गया कि दिसंबर और जनवरी में सेना की ओर से कराए गए चुनावों के दौरान हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं बढ़ गई थीं। आईआईएमएम ने कहा कि चुनाव से पहले के महीनों में हवाई हमले काफी बढ़ गए थे और चुनाव के बाद भी ये लगातार जारी रहे। जांचकर्ताओं ने लोगों को जानबूझकर और बिना किसी उचित वजह के हिरासत में लेने, यातना देने और यौन हिंसा की घटनाएं भी दर्ज कीं।

क्या है 'डबल-टैप' हवाई हमला : आईआईएमएम ने कहा कि सेना के बढ़ते 'डबल-टैप' हवाई हमलों से आम लोगों की मौत और घायल होने की संख्या बढ़ रही है। पहले हमला किया जाता है और फिर उसी जगह पर दोबारा हमला किया जाता है। जांच के अनुसार, दूसरे हमले में उन लोगों को निशाना बनाया जाता है, जो घायलों की मदद करने, उन्हें बचाने या वहां से भागने की कोशिश कर रहे होते हैं।

पैरामोटर और ड्रोन का क्यों बढ़ा इस्तेमाल : आईआईएमएम ने कहा कि म्यांमार की सेना हवाई हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर (जिसे पैरामोटर भी कहा जाता है) के साथ-साथ जाइरोकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से कर रही है। इनसे कम ऊंचाई पर बिना किसी सटीक दिशा-निर्देशन वाले विस्फोटकों के जरिये हवाई हमले किए जाते हैं।

बिना आवाज कैसे पहुंचते हैं पैरामोटर : रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊपरी सागाइंग क्षेत्र में हाल की कई घटनाओं में पैरामोटर चला रहे पायलट कथित तौर पर अपने ठिकानों के पास पहुंचने पर इंजन बंद कर देते थे। इसके बाद वे बिना आवाज के हवा में ग्लाइड करते हुए आगे बढ़ते थे। इससे आम लोगों को भागने या सुरक्षित जगह पर पहुंचने के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी चेतावनी नहीं मिलती थी। आईआईएमएम की रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब रखाइन में सेना के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह अराकान आर्मी ने कहा कि 1 से 11 अगस्त के बीच तीन टाउनशिप में हुए हवाई हमलों में करीब 20 आम लोग मारे गए और 22 घायल हुए। समूह के मुताबिक, इनमें एक हमला ऐसा भी था, जिसमें आठ विमानों ने करीब एक घंटे तक बमबारी की। सेना समर्थित सरकार ने इन कथित हमलों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स के अनुसार, 2021 से म्यांमार के सुरक्षा बलों ने 8,000 से ज्यादा आम लोगों की हत्या की है और 31 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। यह एक स्वतंत्र संगठन है, जो देश में जारी गृहयुद्ध के दौरान हुई गिरफ्तारियों और मौतों का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है। आईआईएमएम की स्थापना 2018 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने म्यांमार में अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए की थी। संस्था ने कहा कि उसने 1,600 से ज्यादा स्रोतों और गवाहों से सबूत जुटाए हैं।

बारिश में हो रही है खुजली और इंफेक्शन की समस्या तो इन आदतों को जल्द सुधारें

बारिश के मौसम में स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। साथ ही बारिश में भीगने के बाद कई लोगों को त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। ह्यूमिडिटी के कारण ऑयली स्किन से लेकर स्किन रैशेज तक कई समस्या होती हैं। कई लोगों को त्वचा में जलन और खुजली की भी परेशानी होती है। इन समस्या को नज़रंदाज़ करने पर समस्या काफी बढ़ सकती है। बारिश में बैक्टीरिया बढ़ने के कारण स्किन इन्फेक्शन काफी तेज़ी से फैलता है। अगर आप भी इस मौसम में खुजिल, जलन या स्किन इन्फेक्शन की समस्या से परेशान है तो आपको इन टिप्स को ज़रूर फॉलो करना चाहिए...

बॉडी को अच्छे से सुखाएं

बारिश में उमस काफी रहती है जिसके कारण नहाने या बारिश में भीगने के बाद हमारी बॉडी काफी लंबे समय तक गीली रहती है। स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए अपनी त्वचा को अच्छे से सुखाएं। स्किन में नमी के कारण बैक्टीरिया ज्यादा समय तक रहते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। बारिश में भीगने के बाद आप अपनी त्वचा को अच्छे से सुखा लें।

भीगने के बाद हाथ-पैर धो लें

बारिश के पानी में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। साथ ही वातावरण के कारण भी इन्फेक्शन का खतरा काफी होता है। अगर आप बारिश में भीग गए हैं तो घर आकर नहाएं या हाथ-पैर धो लें। आप साबुन या डिटॉल के पानी से भी नहा सकते हैं। ऐसा करने से स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

हलके सूती कपड़े पहनें

सर्दी और गर्मी के मौसम में हमे फैब्रिक की समझ रहती है लेकिन बारिश में हम किसी भी प्रकार के कपड़े पहनते हैं। बारिश में पॉलिएस्टर के कपड़ों के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में हलके सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। साथ ही इस मौसम में ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें।

सूखे अंडरगारमेंट्स पहने

बारिश में अंडरगारमेंट्स आसानी से सूखते नहीं है। साथ ही अंडरगारमेंट्स सूखने के बाद भी इनमें नमी रह जाती है. ऐसे में कई लोग गीले या नमी वाले अंडरगारमेंट्स पहन लेते हैं। गीलापन के कारण त्वचा में इन्फेक्शन, रैशेज और बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। अंडरगारमेंट्स अगर गीले हैं तो आप हेयर ड्रायर या आयरन की मदद से सुखा सकते हैं।

टॉवल साफ़ रखें

स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए सबसे ज़रूरी टॉवल साफ़ करना है। टॉवल बारिश में आसानी से सूखती नहीं है जिसके कारण उसमें फंगस लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए नियमित रूप से अपनी टॉवल को साफ़ करते रहें। गीली टॉवल के इस्तेमाल से बचें। धूप में टॉवल सुखाने की कोशिश करें।

एक इलायची रोज खा ली तो होंगे 3 फायदे

इलायची भारतीय रसोई में उपयोग में आने वाला एक महत्वपूर्ण मसाला है। यदि आपको सेहत के फायदे चाहिए तो आप इलायची का इस्तेमाल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोज खाने में भी करें, यानी कि 1 इलायची आप प्रतिदिन खाएं, आपको इलायची खाने बेहतरीन फायदे भी मिलेंगे।

- यदि आप एक इलायची का सेवन करते हैं तो आपके गले की खराश, गले की सूजन और बैठी हुई आवाज में लाभ होगा। इसके लिए आपको सुबह उठने के बाद एक छोटी इलायची चबा-चबाकर खाकर गुनगुना पानी पीना चाहिए।
- यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। क्योंकि इलायची से जहां मुंह की बदबू दूर होगी। वहीं इसके अन्य कई फायदे भी आपको मिलेंगे।
- यदि आपको बार-बार मुंह में छाले होते हैं तो आप इलायची के पाउडर में पिसी मिश्री मिलाकर खाएं, लाभ होगा। इसके अलावा आपका जी मचलाना, खांसी, बदहजमी आदि में इसका फायदा होगा।

कंजक्टिवाइटिस आई फ्लू फैल रहा है तेजी से, जानें बचने के उपाय

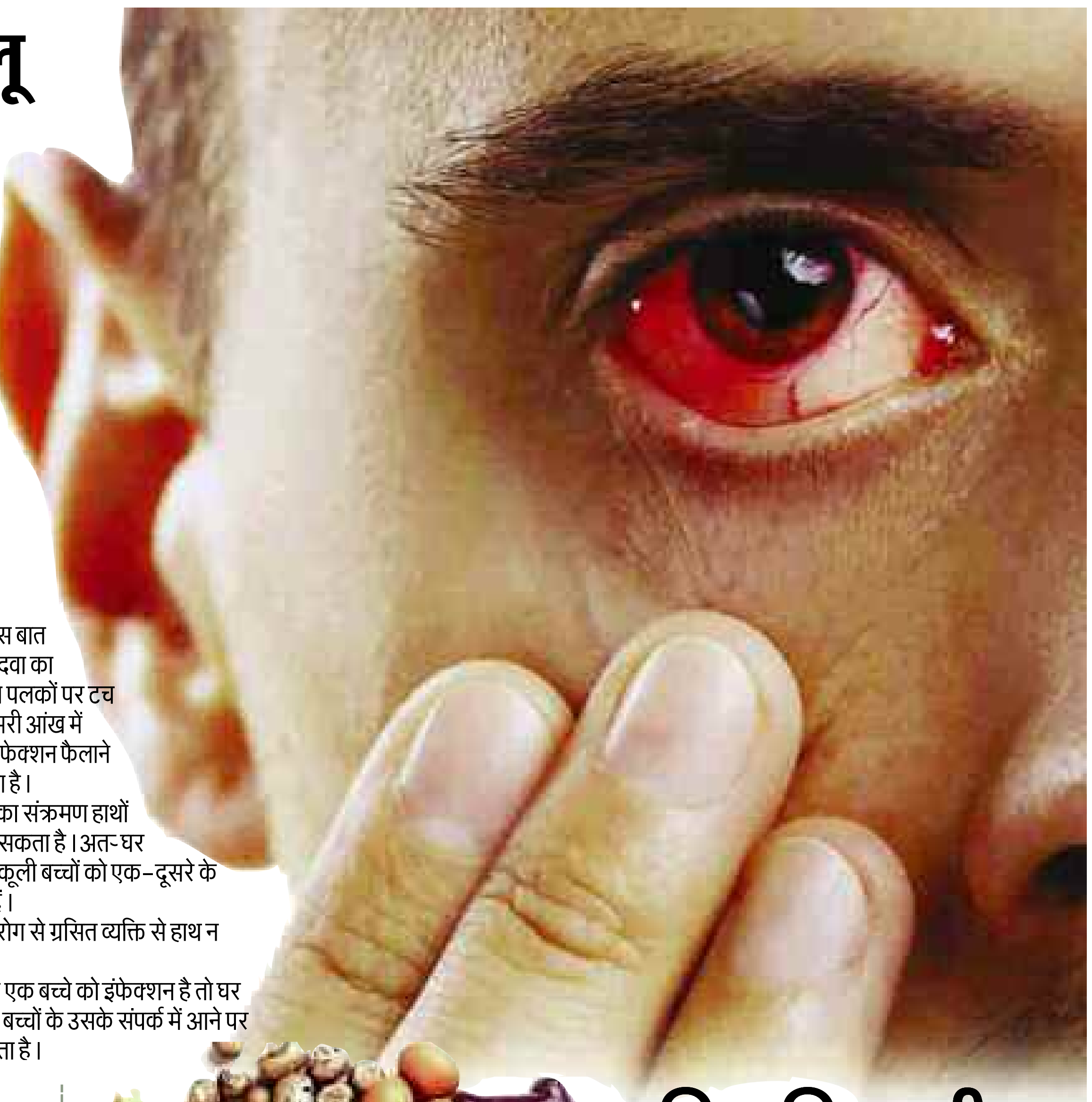

कंजक्टिवाइटिस आंखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना या आंखों का गुलाबी होना कहा जाता है। इस रोग में आंखें सुर्ख लाल होकर सूज जाती है। उसमें पानी आने लगता है और खुजली होने लगती है। यह बीमारी एक वायरल रोग है, जो इंफेक्शन के कारण एक-दूसरे में आ जाती है। अत- जो भी व्यक्ति बार-बार आंख को रगड़ते हैं, उन्हें बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाता है और उसमें से पस जैसा डिस्चार्ज आने लगता है। साथ ही आंख आने वाले व्यक्ति की आंख में देखने से भी कंजंक्टिवाइटिस फैलता है। इस संक्रमण में आंखों में दर्द, जलन और आंखों में कुछ रेत की तरह चुभने का अहसास भी होता है।

कंजक्टिवाइटिस से बचने के उपाय

- कंजक्टिवाइटिस के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- आंखें आने पर बाहर धूप में निकलने पर आंखें दुखने लगती हैं अत- सनग्लासेज पहन कर ही घर से बाहर निकलें।
- दिनभर में कई बार साफ पानी से आंखों को धोएं।
- आई ड्रॉप्स को आंखों में डालने के पहले और दवाई डालने के बाद भी अपने हाथ धोएं।
- जिस व्यक्ति कंजक्टिवाइटिस का इंफेक्शन है, उससे दूरी बनाए रखें।
- यदि घर में किसी को आंखों का इंफेक्शन है, तो उसका तकिया, तौलिया आदि कोई भी चीजें किसी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- यदि नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको एंटिबायोटिक ड्रॉप या मलहम लगाने की सलाह देते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि दवा का नोजल आंखों तथा पलकों पर टच न हो, इससे भी दूसरी आंख में कंजक्टिवाइटिस इंफेक्शन फैलाने का खतरा बढ़ जाता है।
- कंजक्टिवाइटिस का संक्रमण हाथों के जरिए भी फैल सकता है। अत- घर के सदस्यों तथा स्कूली बच्चों को एक-दूसरे के नजदीक न आने दें।
- कंजक्टिवाइटिस रोग से ग्रसित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।
- अगर घर में किसी एक बच्चे को इंफेक्शन है तो घर या स्कूल के दूसरे बच्चों के उसके संपर्क में आने पर उन्हें भी यह हो जाता है।

बारिश में बच्चों को डायरिया से कैसे बचाएं?

बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है लेकिन ये सुहानी बारिश कई खतरनाक बीमारियों को भी लेकर आती है। बारिश में सर्दी, बुखार और जुखाम की समस्या आम होती है। लेकिन इसके साथ ही डायरिया का खतरा भी बारिश के मौसम में बढ़ जाता है। बारिश के पानी में जेर्म्स व बैक्टीरिया होने के कारण पेट की समस्या होने लगती है। कई बार बारिश के मौसम में बहार का न खाने पर भी पेट की समस्या हो जाती है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को भी बारिश के मौसम में सतर्क रहने की ज़रूरत है।

ऐसे बचाएं बच्चों को डायरिया से

- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए उन्हें घर में प्रवेश करते समय हाथ धोने को कहें।
- खाने से पहले भी उन्हें हाथ धोने या sanitize करने की लिए कहें।
- बच्चों को स्ट्रीट फूड का सेवन न करने दें। बारिश में स्ट्रीट फूड से डायरिया का खतरा बढ़ता है।
- बच्चों को जमे और गंदे पानी से न खेलने दें। इससे जेम्स का खतरा अधिक होता है।
- हमेशा बच्चों को RO या उबला हुआ पानी ही पिलाएं।
- डायरिया से बचने के लिए घर में सफाई रखें और मक्खी व कॉकरोच जैसे कीड़ों को न आने दें।

डायरिया से बचने के लिए इन चीज़ों का सेवन करें

- दही, छाछ, लस्सी पीने से दस्त की समस्या से राहत मिलती है। दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंतों के लिए जरूरी हैं जिससे पेट में ऐंठन, मरोड़ दूर हो जाती है।
- डायरिया से बचने के लिए आप जीरे के पानी का सेवन करें। आप 1 से आधा चम्मच जीरा या जीरा पाउडर लें। इसके बाद इसे अच्छे से पानी में उबाल लें। इसको छान कर ठंडा होने बाद पी लें।
- केला, उबला आलू, अनार, अंगूर, संतरा आदि फल-सब्जी का सेवन करें। सादा खाना खाएं जैसे दलिया, खिचड़ी आदि खा सकते हैं।
- आप बच्चों को नारियल व नींबू पानी भी पिलाएं। नींबू पानी में विटामिन ष्होता हा जिससे बच्चों की इम्युनिटी बेहतर होगी।

अगर आपके बच्चे को डायरिया हो या उसके लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई न लें।

डायरिया के लक्षण

- पतला मल आना
- उल्टी होना
- शरीर में पानी की कमी होना
- पेट में सूजन व ऐंठन होना
- बार-बार बुखार आना
- मल के साथ खून आना
- भूख न लगना
- पेट में ऐंठन होना

विटामिन बी 12 कम होने से क्या होता है?

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होती है। जी हां, यह सच है कि कभी-कभी नींद पूरी होने के बाद भी सुबह उठने पर यदि आपको थकान महसूस होती है और शारीरिक रूप से थका होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसा महसूस होता होता है कि जैसे चक्कर आ रहे हैं, बॉडी पेन, कमजोरी महसूस हो रही और किसी भी कार्य पर पूर्णरूप से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो इस बीमारी की जड़ विटामिन बी 12 हो सकती है। जानते हैं विटामिन बी 12 कम होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- पूरे शरीर में दर्द महसूस होना
- दिनभर थकान लगना
- सिर दर्द होना
- वजन तेजी से गिरना
- भूख नहीं लगना
- बेहोशी जैसा लगना, बेहोशी महसूस होना, सिर घूमना
- दिल की धड़कन तेज होना
- किसी भी कार्य में मन न लगना
- कुछ भी काम करने का मन न करना
- एनीमिया से पीड़ित होना।

आदि लक्षण विटामिन बी 12 की कमी से हो सकते हैं। यदि आप भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं तो इसके लिए आपको अपने दिनचर्या में डेयरी प्रोड्क्ट, पनीर, अंडा, चुकंदर, दही, ब्रोकली, ओट्स, मछली, मिट, चिकन आदि को अपने खान-पान में शामिल करना चाहिए।

पपीता खाने के हैरान करने वाले फायदे

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे कच्चा और पका हुआ दोनों ही तरह से खाया जाता है। पपीता एक पौष्टिक और रसीला फल हैं, जिससे हमें कई विटामिन प्राप्त होते हैं। इसके नियमित उपयोग से शरीर में कभी विटामिन्स की कमी नहीं होती। वैसे तो पपीता अधिकतर लोगों को पसंद होता है और वे इसे खाना भी पसंद करते हैं।

लेकिन आपको बता दें कि डायबिटीज के रोगियों को प्रतिदिन पपीता खाने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसे खाना उचित रहता है।

पपीता पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह खासकर उन स्थितियों में भोजन को पचाने में मदद करता है, जब आपका पाचन तंत्र भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का निर्माण नहीं करता है। अत- यह हमारे शरीर के लिए अतिलाभदायी होता है। यदि आप भी नियमित रूप से एक माह तक पपीते का सेवन करते हैं तो इसके आपको हैरान करने वाले फायदे मिलते हैं।

- पपीता खाने से त्वचा व नेत्र स्वस्थ रहते हैं।
- पपीता कब्ज और कफ के रोग में लाभदायी है।
- पपीता पेट एवं आंत संबंधी रोगों में बहुत लाभदायक है, क्योंकि पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचाने मददगार माना गया है।
- बच्चों की वृद्धि और रोगों से बचाने के लिए उन्हें विटामिन ए की अधिक आवश्यकता रहती है, जो कि उन्हें पपीता से मिलती है।
- पपीता ह्रदय रोग, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रखने में सहायता करता है।
- पपीते का सेवन वात शमन करके अपावायु को शरीर से बाहर करता है।
- विटामिन ए पपीते में अधिक मात्रा में पाया जाता हैं, जो कि हमारी त्वचा एवं आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है। अत- यह त्वचा को स्वच्छ, स्वस्थ और इसकी ग्लोइंन बनाए रखने में लाभकारी है।
- पपीते में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होने के कारण यह रक्त और तंतुओं के निर्माण सहायक है।
- पपीता गरिष्ठ पदार्थों या भोजन को आसानी से पचाता है।
- पपीता से हमें पाचक तत्व का एकमात्र प्राकृतिक स्रोत पेप्सिन तथा विटामिन ए, बी, सी, डी के अलावा आयरन, फॉस्फोरस, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटेशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और कैरोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलता है। अत- बार-बार सर्दी और खांसी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पपीते का नियमित सेवन काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इससे आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

युवा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहे

कारगिल शहीद धर्म सिंह रावत राइंकॉ कल्जीखाल में जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) नाजिश कलीम के निर्देशन में गुरूवार को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के तत्वावधान में कारगिल शहीद धर्म सिंह रावत राजकीय इंटर कॉलेज कल्जीखाल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया।

शिविर में छात्र-छात्राओं को विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, बाल अधिकार, शिक्षा का अधिकार, साइबर अपराध से बचाव, नशे के दुष्प्रभाव, मानव एवं वन्य जीवों संघर्ष, महिला एवं बाल संरक्षण संबंधी कानूनों तथा नालसा/डाल्सा के निर्देशन में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की विधिक समस्या होने पर वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं विधिक सेवा केंद्रों के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता एवं विधिक परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही युवाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में विधिक जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में उपस्थित प्रतिभागियों को नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के संबंध में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य किरण बाला, असिस्टेंट लीगल एंड डिफेंस काउंसिल पौड़ी विनोद कुमार, रिटेनर अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह रावत, जिला परिवीक्षा कार्यालय से निखिल डेविड, पीटीए अध्यक्ष एवं पूर्व कनिष्ठ प्रमुख अर्जुन सिंह पटवाल, अधिकार मित्र जगमोहन डांगी, अधिकार मित्र सज्जन सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

रंगोली प्रतियोगिता में राकउप्रावि रतूड़ा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जनपद रुद्रप्रयाग में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में डाइट रतूड़ा में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में राजकीय कन्या उच्चतर प्राथमिक विद्यालय रतूड़ा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज रतूड़ा की टीम द्वितीय, राजकीय इंटर कॉलेज नगरासू की टीम तृतीय स्थान पर रही। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया तथा सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की एकता, अखंडता और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, रचनात्मकता और टीम भावना को बढ़ावा मिलता है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करना चाहिए। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, मुख्य शिक्षा अधिकारी अजय चौधरी, डाइट की प्राचार्य रुचिना पुरी, डाइट के शिक्षक दीपक बुटोला, ममता रावत सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

50 प्रतिशत भी काम पूरा नहीं, कर दिया छह करोड़ का भुगतान

गोपेश्वर। सलूड़–डुंग्रा से सेलंग मोटर मार्ग पर सुधारीकरण व अन्य कार्यों में लापरवाही व वित्तीय अनियमितता के आरोप लगे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि 50 प्रतिशत भी काम पूरा नहीं किया गया और छह करोड़ का भुगतान ठेकेदार को कर दिया गया। डीएम ने मामले में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। वहीं ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों व संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।बृहस्पतिवार को बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला के नेतृत्व में सलूड़–डुंग्रा क्षेत्र के ग्रामीण डीएम से मिले। ग्रामीणों ने बताया कि करीब नौ किमी लंबी इस सड़क पर अनुरक्षण व पुनर्निर्माण कार्यों के लिए 2023 में 8.5 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे। इस कार्य को 15 फरवरी 2024 से 14 फरवरी 2025 तक पूरा किया जाना था। मै. क्रिस्टल इंफ्रास्ट्रक्चर सहारनपुर को निविदा के माध्यम से यह कार्य सौंपा गया। जिस कार्य को फरवरी 2025 में पूरा हो जाना था वह आज तक 50 प्रतिशत भी पूरा नहीं हो पाया है। आरोप लगाया कि संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई करने के बावजूद उसे छह करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया जबकि सड़क चौड़ीकरण, पक्की नाली निर्माण सहित अन्य कार्य संतोषजनक नहीं हैं। ग्रामीणों ने कहा कि सात ग्राम पंचायतें इस सड़क से सीधे जुड़ी हुई हैं। डीएम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले की मजिस्ट्रियल जांच होगी और 15 दिन में जांच पूरी कर ली जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि जल्द उनकी मांगों पर अमल नहीं किया गया तो वे विभागीय कार्यालय पर तालाबंदी, भूख हड़ताल करेंगे। इस दौरान सेलंग के प्रधान अनुज बिष्ट, भरत सिंह कुंवर, कपिल कुंवर, पंकज बिष्ट, भागवत चौहान, अनूप चौहान, प्रशांत नेगी, देवेंद्र सिंह, दिलबर भंडारी, मुकेश कुंवर आदि मौजूद रहे।

गुलदार की डर से शाम होते ही घरों में कैद हो रहे हैं लोग

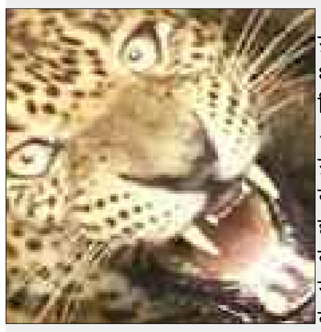

चंबा (टिहरी)। ग्राम पंचायत जगधार क्षेत्र में पिछले कई दिनों से गुलदार की आवाजाही ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। शाम होते ही गुलदार घरों के आसपास धमक रहा है। बीती शाम करीब पांच बजे गुलदार ने जगधार निवासी चमन कोठारी के घर के पास बंधे कुत्ते पर हमला कर उसे मार डाला। ग्रामीणों ने बताया कि गुलदार की लगातार बढ़ती सक्रियता के कारण बच्चे और बुजुर्ग शाम के बाद घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। बीडीसी सदस्य सुशील कुमार बहुगुणा ने बताया कि गुलदार की लगातार हो रही आवाजाही के संबंध में वन विभाग को सूचित कर दिया गया है। उन्होंने विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने और गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है। हरीश कोठारी, कृष्णा कोठारी, ओम प्रकाश कोठारी, विनोद, सूरज, प्रदीप का कहना है यदि समय रहते गुलदार को पकड़ने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो कोई बड़ी घटना हो सकती है। उन्होंने आबादी वाले क्षेत्र में वन विभाग की टीम तैनात करने और गुलदार को पकड़ने के लिए तत्काल पिंजरा लगाने की मांग की है।

यमुनोत्री धाम समेत 12 गांवों में दूसरे दिन भी बिजली गुल

बड़कोट। यमुनोत्री धाम और गीठ पट्टी के 12 गांवों में विद्युत आपूर्ति दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी बहाल नहीं हो सकी। पेड़ गिरने से 33 केवी विद्युत लाइन और कई पोल क्षतिग्रस्त होने के कारण क्षेत्र में बिजली संकट बना है। लगातार दूसरे दिन बिजली गुल रहने से ग्रामीणों के साथ यमुनोत्री धाम पहुंचे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत आपूर्ति ठप होने का सीधा असर यमुनोत्री धाम की मोबाइल नेटवर्क व्यवस्था पर पड़ा है। बिजली नहीं होने के कारण संचार सेवाएं प्रभावित है जिससे लोगों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं को परिजनों से संपर्क करने में दिक्कत हो रही है। लंबे समय से बिजली बहाली का इंतजार कर रहे ग्रामीणों में चिंता बढ़ती जा रही है।

विद्युत कर्मी अंकित असवाल ने बताया कि रानाचट्टी के पास भी लाइन दुरुस्त की जा रही है। कर्मचारियों का प्रयास है कि तकनीकी खामियों को जल्द दूर कर आपूर्ति बहाल की जाए। परेशानी को देखते हुए लोगों ने ऊर्जा निगम से युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य पूरा कर जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

मातृशक्ति आर्थिक और सामाजिक क्रांति की संवाहक

रुद्रप्रयाग में निकली भव्य तिरंगा रैली, दिया राष्ट्र प्रेम का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जनपद रुद्रप्रयाग में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ बास्केटबॉल ग्राउंड, आर्मी कैंट रुद्रप्रयाग से हुआ, जो गुलाबराय मैदान तक पहुंची। कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने रैली को फ्लैग ऑफ किया।

रैली में कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत एवं जिलाधिकारी विशाल मिश्रा भी शामिल हुए। रैली में छात्र-छात्राओं ने करीब 50 मीटर लंबे तिरंगे को अपने हाथों में थामकर राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश दिया। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ अधिकारी-कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर ह्यभारत माता की जयह्व सहित देश भक्ति के नारे लगाए। पूरे

मार्ग पर देश भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। रैली के माध्यम से आमजन को राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं तिरंगे के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के त्याग को स्मरण करने का अवसर देता है। तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को बनाएं रखने के लिए अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना चाहिए। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि तिरंगा रैली का उद्देश्य जन-जन में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत करना है। कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने दायित्वों और जिम्मेदारियों को याद करने का भी दिन है।

जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। इस प्रकार के आयोजनों से युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति सम्मान मजबूत होता है। रैली में जिला भाजपा अध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, भूपेंद्र सिंह भंडारी, अजय सेमवाल, सुरेंद्र सिंह बिष्ट, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, उपजिलाधिकारी रुद्रप्रयाग सोहन सिंह सैनी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, सहायक निदेशक डेयरी विकास भूपेंद्र सिंह बिष्ट आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं के लिए दी 190 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड कल्जीखाल में कांसखेत अस्गड घंडियाल धार अलासु कुनकुली मोटर मार्ग के किमी. 13 से 17 के मध्य सुधारीकरण कार्य हेतु 3.45 करोड तथा विधानसभा क्षेत्र कोटद्वार के विकासखण्ड दुगड्डा के अन्तर्गत कोटद्वार में स्थित गब्बर सिंह कैम्प में 36 मीटर स्पान डबल लेन सेतु का निर्माण किये जाने हेतु 3.31 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद पिथौरागढ़ में तांकुल जल विद्युत परियोजना (क्षमता 12 मे.वा.) हेतु पब्लिक इनवेस्टमेंट बोर्ड द्वारा परियोजना का निर्माण कराये जाने हेतु 159.60 करोड़ तथा पर्यटक आवास गृह चौकोडी के उच्चीकरण एवं विस्तारीकरण हेतु 4.75 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य योजना अन्तर्गत जनपद टिहरी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र धनोल्टी के विकासखण्ड जौनपुर में सौडी लग्गा क्यारी मोटर मार्ग का पुनर्निमाण एंव सुदृढीकरण किये जाने हेतु 3.25 करोड़ तथा जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र सहसपुर के ग्राम झींवरेडी के सुमेरू विहार, ग्राम सुद्धोवाला, ग्राम सेलाकुई, ग्राम उम्मेदपुर, ग्राम अम्बीवाला, ग्राम ठाकुरपुर व ग्राम खुशालपुर के आन्तरिक क्षतिग्रस्त मार्गों का इंटरलॉकिंग टाईल्स निर्माण/मरम्मत कार्य हेतु 4.23 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा पुलिस विभाग हेतु स्कार्पियों-21, बोलेरो-26, बस (32 सीटर)-04, बस (24 सीटर)-08, बस (12 सीटर)-08, ट्रक (11 टन)-05, ट्रक (4 टन)-03 कुल 75 वाहनों के क्रय की स्वीकृति तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में 05 दंगा नियंत्रण एवं जैमर वाहनों का अवशेष भुगतान 68.01 लाख सहित कुल 12.00 करोड़ पुलिस महानिदेशक के निवर्तन पर रखे जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने दून विश्वविद्यालय के दीक्षारम्भ सत्र का किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को दून विश्वविद्यालय में दीक्षारम्भ सत्र 2026-27 एवं युवा संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन केवल कक्षा और परीक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, नई सोच विकसित करने और जीवन की दिशा निर्धारित करने का महत्वपूर्ण अवसर होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति होती है। जिस देश का युवा सपने देखने का साहस, उन्हें पूरा करने का संकल्प और कठिन परिश्रम करने की क्षमता रखता है, उस देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। भारत की विशाल युवा

आबादी विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दून विश्वविद्यालय में 11 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित बॉयोलॉजिकल साइंस प्रयोगशाला भवन तथा 17 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय पुस्तकालय भवन का लोकार्पण किया। साथ ही, दून यूनिवर्सिटी कम्युनिटी रेडियो स्टेशन 88.4 एफएम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ये संस्थागत सुविधाएं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को नई गति देने के साथ ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि दून विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से जाना जायेगा।

मुख्यमंत्री ने सीएम आवास पर तिरंगा लगाकर दिया 'हर घर तिरंगा' का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को अपने शासकीय आवास, मुख्यमंत्री आवास में तिरंगा लगाकर 'हर घर तिरंगा' अभियान का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रध्वज के सम्मान और देश भक्ति की भावना के साथ अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराकर इस जनभागीदारी अभियान को सफल बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण, एकता और गौरव की भावना का उत्सव है। तिरंगा देश की अस्मिता, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान का प्रतीक है तथा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रध्वज के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान आज जन-जन का अभियान बन चुका है। यह अभियान प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की वीरभूमि ने देश की रक्षा और सेवा में सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है, इसलिए प्रदेश का प्रत्येक परिवार

इस अभियान में उत्साह पूर्वक भाग लेकर राष्ट्रभक्ति की अपनी गौरवशाली परंपरा को और सशक्त बनाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अपने घरों पर तिरंगा अवश्य लगाएं, राष्ट्रध्वज संहिता का पालन करें तथा अपने परिवार, बच्चों और युवाओं को भी तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रप्रेम के संस्कारों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि आइए, हम सभी मिलकर 'हर घर तिरंगा' अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दें और तिरंगे के सम्मान के साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को और अधिक सुदृढ़ करें।

आईटीबीपी के जवानों ने बोल्डर हटाकर शुरू की आवाजाही

उत्तरकाशी। बृहस्पतिवार को गंगोत्री हाईवे पर स्वारीगाड के समीप बोल्डर और मलबा आने से आवाजाही करीब दो घंटे बंद रही। वहां पर बीआरओ की मशीन पहुंचने में हुई देरी के कारण मौके पर मौजूद आईटीबीपी जवानों सहित स्थानीय लोगों ने संयुक्त प्रयास से बड़े–बड़े बोल्डर हटाकर छोटे वाहनों की आवाजाही शुरू करवाई। उसके बाद मौके पर पहुंची मशीनों ने मलबा व बोल्डर हटाकर बड़े वाहनों की आवाजाही शुरू करवाई। दूसरे ओर यमुनोत्री हाईवे पर बृहस्पतिवार को तीसरे दिन दोपहर बाद बड़े वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। हाईवे पर बड़े वाहनों का संचालन बहाल होने से सरकारी सिस्टम, स्थानीय लोगों और यमुनोत्री धाम की यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली है। यमुनोत्री हाईवे पर बाड़िया गांव के नीचे भूस्खलन होने के कारण पिछले दो दिनों से बड़े वाहनों की आवाजाही बाधित होने के कारण हाईवे पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।

यमुनोत्री हाईवे पर बाडिया गांव के नीचे भू–धंसाव और दूसरी ओर यमुना नदी के कटाव के चलते सड़क का हिस्सा संवेदनशील बना हुआ है यहां हाईवे पर ऊपर से भूस्खलन हो रहा है तथा नीचे यमुना नदी के कटाव से भी भूस्खलन हो रहा है। सुरक्षा दीवारों के पूरी होने के बाद बृहस्पतिवार को दोपहर बाद बड़े वाहनों के लिए भी हाईवे खोल दिया गया।

देवग्राम के 27 परिवारों का होगा सुरक्षित पुनर्वास, 1.21 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसील ज्योतिर्मठ अंतर्गत देवग्राम के 27 परिवारों के विस्थापन से संबंधित प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति ने विस्थापन प्रस्ताव को संस्तुति के लिए शासन को भेजने पर सहमति व्यक्त की। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विस्थापन प्रस्ताव से संबंधित सभी आवश्यक अभिलेख एवं औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए प्रस्ताव को शीघ्र शासन को प्रेषित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित पुनर्वास के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने समिति को अवगत कराया कि देवग्राम के 27 परिवारों के विस्थापन के लिए कुल 1 करोड़ 21 लाख 25 हजार रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रस्ताव में विस्थापित परिवारों के लिए भवन निर्माण, पशुओं के लिए गौशाला निर्माण, विस्थापन भत्ता तथा पुनर्वासित होने वाले ग्रामीण काश्तकारों को पुनर्वास स्थल पर अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करने हेतु सहायता सहित अन्य आवश्यक मदों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि देवग्राम के संबंध में इससे पूर्व दो बार भू-वैज्ञानिक जांच कराई जा चुकी है। इसके साथ ही तहसील स्तर पर कार्य योजना तैयार करने सहित विस्थापन से संबंधित अन्य आवश्यक औपचारिकताएं भी पूर्ण कर ली गई हैं। बैठक में उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ईशान किशन टॉप पर

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

संविधान में संशोधन के साथ 10 दिसंबर तक होंगे आईओए चुनाव; ओलंपिक की मेजबानी को रखा गया ध्यान में

देश में खेलों को चलाने वाली शीर्ष संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चुनावी गहमा–गहमी शुरू हो गई है। भारत की 2036 के ओलंपिक की बोली में कोई अड़चन नहीं आए, इसके लिए आईओए के चुनाव इस वर्ष 10 दिसंबर तक कराने की तैयारी कर ली गई है। चुनाव के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार संविधान में संशोधन कराना जरूरी है। आईओए ने इसके लिए 19 अगस्त को आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है जिसमें आईओए के संविधान में संशोधन किया जाएगा, साथ ही संस्था के चुनाव 10 दिसंबर या उससे पहले कराने की घोषणा की जाएगी। बैठक में चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) का भी चयन कर लिया जाएगा। आरओ की ओर से आईओए की चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आईओसी को नहीं होने देना है नाराज

खेल मंत्रालय की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समक्ष बोली लगाई जा चुकी है। मेजबानी की आगे की प्रक्रिया में आईओए की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। ऐसे में आईओए के चुनाव में देरी आईओसी को नाराज कर सकती है। यही कारण है कि खेल मंत्रालय यह बिल्कुल नहीं चाहता है कि आईओए के चुनाव में देरी हो। हालांकि सूत्र बताते हैं कि आईओए सदस्य चुनाव 10 दिसंबर के बाद चाहते हैं, लेकिन आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने 19 अगस्त को आपातकालीन बैठक का नोटिस निकाल दिया है।

सरकार का समर्थन आएगा काम

बैठक का नोटिस निकलते ही आईओए में चुनावी हलचल शुरू हो गई है। देखने वाली बात यह होगी अध्यक्ष पीटी उषा को चुनौती देने के लिए कौन सामने आता है। 2022 में अध्यक्ष बनीं उषा को अपनी कार्यकारिणी से समर्थन नहीं मिला है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार भी जिसे सरकार का समर्थन हासिल होगा वही अगला आईओए अध्यक्ष होगा। हालांकि आईओए चुनाव से पहले एथलीट कमीशन और योग्य खिलाड़ियों (एसओएम) का फिर से गठन करना होगा।

पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं

क्या उम्र के कारण रोहित-विराट को विश्वकप से बाहर कर देना चाहिए? हरभजन ने मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर बहस लगातार जारी है। दोनों की उम्र 30 के पार हो चुकी है और 2027 वनडे विश्व कप के समय रोहित 40 तथा कोहली 39 वर्ष के होंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों दिग्गज दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बहस में उम्र के बजाय प्रदर्शन को पैमाना बनाने की बात कही है। हरभजन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जो भी खिलाड़ी हो, मेरा मानना है कि पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर रोहित और विराट रन बना रहे हैं तो हमें उनकी उम्र क्यों देखनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में रोहित और कोहली पर युवा खिलाड़ियों की तुलना में कहीं ज्यादा उम्मीदों का दबाव होगा। हालांकि, दोनों ने जिस तरह का आत्मविश्वास और दृढ़ता दिखाई है, उसके आधार पर हरभजन को भरोसा है कि वे अभी भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हरभजन ने रोहित और कोहली के समर्थन में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि अगर 39 साल की उम्र में मेसी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी टीम को आगे ले जा सकते हैं तो रोहित और कोहली के लिए भी ऐसा करना संभव है। हरभजन ने कहा, 'अगर लियोनल मेसी ऐसा कर सकते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं कर सकते?' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए उम्र से ज्यादा उनकी फिटनेस, प्रदर्शन और टीम को योगदान देने की क्षमता मायने रखती है। यदि दोनों दिग्गज विश्व कप तक खुद को फिट रखते हैं और टीम के लिए रन बनाते हैं, तो उन्हें उम्र के आधार पर बाहर करने का कोई मतलब नहीं है।

वैभव को बताया 'यूनीक' खिलाड़ी

हरभजन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह वैभव आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं, वह उन्होंने पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी कमाल के खिलाड़ी हैं। वह एक अलग तरह के और बेहद अनोखे खिलाड़ी हैं। मैंने इससे पहले ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा, जो 14-15 साल की उम्र में दुनिया पर इस तरह हावी हो सके। जब दुनिया के शीर्ष गेंदबाज उन्हें गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो वे वास्तव में यह सोच रहे होते हैं कि उन्हें गेंद कहां डालनी है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।' हरभजन ने कहा कि वैभव की उम्र को देखकर उन्हें सामान्य युवा खिलाड़ी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वैभव यह संदेश दे रहे हैं कि 15 साल का बच्चा भी ऐसा कर सकता है। उसे बच्चा मत समझिए। एक बच्चा वह कर सकता है जो बड़े लोग नहीं कर सकते।'

शुभमन गिल की कप्तानी से प्रभावित

हरभजन ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को उनकी नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी कप्तानी की असली मजबूती इंग्लैंड में दिखाई दी। वह सिर्फ एक छोटा उदाहरण था कि वह क्या कर सकते हैं। एक लीडर, कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने इंग्लैंड में किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा रन बनाए। जिस तरह उनकी टीम ने वहां जीत हासिल की और टीम की मानसिकता जैसी थी, उसी वजह से मैं उन्हें बहुत ऊंचा आंकता हूं।' हरभजन ने मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी और पूरी टीम के रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने गिल को शानदार क्रिकेट दिमाग वाला खिलाड़ी और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह एक शीर्ष क्रिकेटर हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक अच्छे इंसान हैं।'

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए।

पिता को खोने के चार दिन बाद फुटबॉल के मैदान पर लौटे मेसी

मियामी। पिता के निधन के बाद अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी मैदान पर वापसी कर चुके हैं। मेसी के लिए बुधवार की रात सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी वापसी थी। अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के महज चार दिन बाद अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने एक बार फिर फुटबॉल के मैदान पर कदम रखा। इंटर मियामी की ओर से लीग्स कप के अहम मुकाबले में मेसी लियोन के खिलाफ खेलने उतरे।

जॉर्ज मेसी का आठ अगस्त को अर्जेंटीना के रोसारियो में 68 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मेसी अपने गृहनगर गए और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इंटर मियामी ने भी अपने कप्तान को इस मुश्किल समय में फुटबॉल से दूर रहने का समय दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मेसी की वापसी में कुछ और वक्त लग सकता है, लेकिन उन्होंने बुधवार को अचानक मैदान पर लौटकर सभी को भावुक कर दिया।

पहले बेंच पर बैठे, दूसरे हाफ में उतरे

लियोन के खिलाफ मुकाबले के लिए मेसी को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। हालांकि, मैच के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उन्हें मैदान पर उतार दिया गया। मेसी की वापसी ऐसे समय हुई जब इंटर मियामी के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। टीम अपने पिछले लीग्स कप मैच में मेसी की गैरमौजूदगी में मॉन्टेरे के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। इसके बाद लियोन के खिलाफ जीत उसके लिए जरूरी थी। मेसी के मैदान पर आने से टीम को उम्मीद जगी, लेकिन उनका लौटना भी इंटर मियामी को हार से नहीं बचा सका। लियोन ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया।

पिता की याद में लिखी थी भावुक पोस्ट

मेसी की मैदान पर वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि पिता के निधन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने जॉर्ज को सिर्फ अपना पिता ही नहीं, बल्कि दोस्त और प्रतिनिधि बताया था। जॉर्ज मेसी ने बचपन से ही उनके करियर को संभाला और लंबे समय तक उनके एजेंट भी रहे। मेसी ने अपनी भावुक पोस्ट में लिखा था, 'पापा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। यह बात मेरे दिल में उतरी नहीं है, या यूं कहूं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करना चाहता। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अब मैं आपको दोबारा नहीं देखूंगा और हम बात नहीं करेंगे।' उन्होंने यह भी बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वह 2026 विश्व कप में खेलें। मेसी ने लिखा कि टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले जॉर्ज की हालत बिगड़ गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उनके पिता ठीक होकर विश्व कप के फाइनल में उन्हें खेलते हुए देखने पहुंच पाएंगे।

डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया।इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद मोहम्मडन बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने ग्रुप बी में तीन मैचों से नौ अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा: कपिल

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के नंबर 1 लेफ्ट-आर्म बॉलर

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 198 रन पर ही आउट हो गई, इसके बाद जब बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरू हुई तो मिचेल स्टार्क ने ही पहला विकेट लिया। इस विकेट को लेने के साथ ही मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए। मजे की बात ये है कि उन्होंने ये कीर्तिमान इंटरनेशनल लेफ्ट हैंडर्स डे पर बनाया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पहले दिन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीब्रेक के कुछ ही देर बाद पूरी टीम केवल 198 रन बनाकर आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन बाकी किसी भी बल्लेबाज का उन्हें साथ नहीं मिला। यही कारण रहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 200 से कम के स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम और तंजीद हसन तमीम ने टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन पारी के नौवें ओवर में मिचल स्टार्क ने दूसरी ही बॉल पर सादमान इस्माल को आउट कर दिया। उनका कैच नाथन लॉयन ने लपका। वे 30 बॉल पर 20 रन बना सके। इसमें दो चौके शामिल रहे। इस विकेट के साथ ही मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे कर लिए।

अवैध खनन मामला

फिफ्टी जड़ स्टीव स्मिथ पहुंचे लारा और स्टीव वॉ के बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर बांग्लादेश की टीम टेस्ट मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच डार्विन में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 13 अगस्त से आगाज हो चुका है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम का आगाज बेहद खराब रहा।

दरअसल, 38वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी करने आए। स्मिथ ने तैजुल का छक्के से स्वागत किया। इस छक्के की मदद से स्मिथ का निजी स्कोर 42 रन पहुंच गया। इसके साथ ही स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महान एलन बॉर्डर को पछाड़ दिया। स्मिथ अब इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, एलन बॉर्डर 5वें पायदान पर खिसक गए हैं। स्मिथ से आगे अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और स्टीव वॉ हैं। बता दें, स्टीव स्मिथ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 361 मैचों की 430 पारियों में 17700+ रन हो गए हैं। इसमें 49 शतक और 85 अर्धशतक शामिल हैं। डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के खाते 17656 इंटरनेशनल रन दर्ज थे। उन्हें एलन बॉर्डर को पछाड़ने के लिए सिर्फ 42 रनों की दरकार थी। डार्विन टेस्ट के पहले दिन जब स्मिथ 2 रन के निजी स्कोर पर थे, तो आउट होने से बाल-बाल बचे। उनका कैच ड्रॉप हुआ। इसके बाद स्मिथ ने लगातार रन बनाते हुए न केवल एलन बॉर्डर को पछाड़ा, बल्कि मुश्किल में घिरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान शानदार अर्धशतक भी जड़ा। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 45वां अर्धशतक है।